Web Portal
www.ghatatighatana.com
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
घटती घटना
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022
अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक -07,सोमवार,07 नवम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

प्रभुता पाते ही लोगों की निगाहें बदल जाती है।अपने आप को महान समझते हैं,उनके पैर जमीन पर नहीं पड़ते।

- प्रेमचंद-

देहरादून,उत्तर काशी और टिहरी में भूकंप के झटके

देहरादून,06 नवम्बर 2022। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून समेत रविवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, देवभूमि उत्तराखंड की राजधानी देहरादून, उत्तरकाशी और टिहरी में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इन तीनों जिलों में भूकंप के झटके 8 बजकर 33 मिनट पर आए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी गई है। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

टीआरसी ने जीती मुनुगोड़े विधानसभा सीट

» टीआरएस उम्मीदवार के. प्रभाकर रेड्डी ने अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा के के. राजगोपाल रेड्डी को 10,059 मतों के अंतर से हराया

हैदराबाद ,06 नवम्बर 2022। तेलंगाना राष्ट्र समिति ने कांग्रेस से मुनुगोड़े विधानसभा सीट छीन ली जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत हासिल की, जो सीधी लड़ाई साबित हुई। टीआरएस उम्मीदवार के. प्रभाकर रेड्डी ने अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा के के. राजगोपाल रेड्डी को 10,059 मतों के अंतर से हराया। कांग्रेस, जिसने 2018 में सीट जीती थी, तीसरे स्थान पर रही और जमानत जब्त कर ली। प्रभाकर रेड्डी को 96,574 वोट मिले जबकि राजगोपाल रेड्डी को 86,515 वोट मिले। कांग्रेस की पलवई श्रावंती को महज 22,449 वोट मिले। पार्टी की जीत के बाद टीआरएस खेमे में जश्न का माहौल है। टीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नलगोंडा जिले के मुनुगोडे, हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य हिस्सों में पार्टी की जीत का जश्न मनाया। हैदराबाद में पार्टी मुख्यालय तेलंगाना भवन में पार्टी कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटी। टीआरएस की जीत ने भाजपा को एक झटका दिया, जिसने राजगोपाल रेड्डी को अपने खेमे का लालच देकर उपचुनाव के लिए मजबूर किया। उन्होंने अगस्त में विधानसभा सीट और कांग्रेस छोड़ दी और मुनुगोड़े में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संबोधित एक जनसभा में भगवा पार्टी में शामिल हो गए।

इस जीत से अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले टीआरएस का मनोबल बढ़ाने की उम्मीद है। 2018 में, राजगोपाल रेड्डी ने कांग्रेस के टिकट पर मुनुगोडे सीट जीती थी, उन्होंने टीआरएस के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी प्रभाकर रेड्डी को 23,552 मतों से हराया था। राजगोपाल रेड्डी को 99,239 वोट मिले थे जबकि प्रभाकर रेड्डी को 61,687 वोट मिले थे। भाजपा के जी मनोहर रेड्डी 12,725 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। कड़े

मुकाबले में गुरुवार को हुए उपचुनाव में 93.13 फीसदी मतदान हुआ. कुल 2,41,805 मतदाताओं में से 2,25,192 मतदाताओं ने मतदान किया।

हालांकि कुल 47 उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन मुख्य मुकाबला तीन प्रमुख खिलाड़ियों - टीआरएस, भाजपा और कांग्रेस के बीच था। टीआरएस उम्मीदवार ने पहले दौर में 1,000 से अधिक मतों से बढ़त बना ली, लेकिन दूसरे और तीसरे दौर में भाजपा ने मुकाबला कड़ा करने के लिए बढ़त बना ली। हालांकि टीआरएस ने चौथे राउंड से बढ़त बनाए रखी और 15वें और अंतिम राउंड तक बढ़त बनाए रखी। 10वें दौर के बाद जब यह स्पष्ट हो गया कि टीआरएस जीत की ओर बढ़ रही है, राजगोपाल रेड्डी ने हार मान ली।

हालांकि, उन्होंने दावा किया कि यह उनके लिए एक नैतिक जीत थी और टीआरएस की जीत को ÷अनैतिक÷ कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि टीआरएस ने जीतने के लिए आधिकारिक मशीनरी का दुरुपयोग किया और मतदाताओं को डराने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल किया। इससे पहले, भाजपा नेताओं ने हर दौर के बाद परिणाम घोषित करने में देरी को लेकर मुख्य चुनाव अधिकारी विकास राज के पास विरोध दर्ज कराया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय ने आरोप लगाया कि सीईओ का आचरण संदेह पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि राउंड वाइज परिणाम तभी घोषित किए जा रहे हैं जब टीआरएस आगे चल रही हो। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सीईओ से फोन पर बात की और राउंड-वाइज परिणामों की घोषणा में देरी पर नाखुशी जाहिर की। सीईओ ने, हालांकि, आलोचना को खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि मतगणना पारदर्शी तरीके से चल रही थी। उन्होंने बड़ी संख्या में उम्मीदवारों की उपस्थिति को राउंड-वाइज परिणामों की घोषणा में देरी के लिए जिम्मेदार ठहराया।

हेमंत सोरेन की याचिका पर आज एचसी सुनाएगा फैसला

» झारखंड एचसी के आदेश को दी है चुनौती

नई दिल्ली ,06 नवम्बर 2022। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 7 नवंबर को अपना फैसला सुनाएगा। सुप्रीम कोर्ट के सोमवार के आदेश से तय होगा कि शेल कंपनियों में निवेश और गलत तरीके से खनन पट्टे देने में कथित अनियमितताओं के चलते सोरेन के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं।

इस मामले सीजेआई यूयू ललित, न्यायमूर्ति रवींद्र भट और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई की है। इस पर फैसला न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया देंगे।

सीएम सोरेन और झारखंड सरकार ने हाई कोर्ट में इस मामले से संबंधित जनहित याचिका को झारखंड हाई कोर्ट ने सुनवाई योग्य मान लिया था। इसके बाद हेमंत सोरेन ने सुनवाई पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (स्पेशल लीव पिटिशन) दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट में 17 अगस्त को शेल कंपनियों में निवेश और अवैध खनन पट्टा आवंटन मामले से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए हेमंत सोरेन को अंतरिम राहत दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था और फैसला आने तक हाई कोर्ट में सुनवाई पर रोक लगा दी थी।

अगस्त में हुई सुनवाई में झारखंड वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने हाई कोर्ट में दाखिल पीआईएल की मेंटेनेबिल्टी पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि पीआईएल डराने के लिए दाखिल की गई है। याचिकाकर्ता के पिता की सोरेन परिवार के साथ पुरानी रंजिश रही है। वहीं ईडी के वकील ने कहा था कि खनन मामले में उसके पास पर्याप्त सबूत हैं, जिसके आधार पर याचिका सुनवाई पर जारी रखी जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की दलील को खारिज कर दिया था।

कोर्ट ने कहा कि अगर ईडी के पास मनी लॉन्ड्रिंग के सबूत हैं, तो वो खुद इसकी जांच कर सकती है।

छत्तीसगढ़ बोर्ड एग्जाम की अंतिम तिथि 30 नवम्बर 2022 तक

नई दिल्ली ,06 नवम्बर 2022। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल (सीजीबीएसई), रायपुर द्वारा शिक्षा सत्र 2022-23 के लिए आवेदन फॉर्म भरे जा रहे हैं. स्टूडेंट हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी (10वीं और 12वीं) स्व-अध्ययन परीक्षाओं के लिए आवेदन फॉर्म भर सकते हैं. आवेदन फॉर्म भरने की लास्ट डेट 30 नवंबर 2022 है. ऐसे में स्टूडेंट्स को सलाह है कि सीजीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट cgbse.nic.in. पर विजिट करके आवेदन फॉर्म भर लें.

हालांकि इच्छुक और योग्य स्टूडेंट 30 नवंबर के बाद भी आवेदन कर सकेंगे. इसके लिए स्टूडेंट्स को आवेदन शुल्क के

साथ विलंब शुल्क का भी भुगतान करना होगा. विलंब शुल्क के साथ 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक आवेदन फॉर्म भर सकेंगे. वहीं विशेष विलंब शुल्क के साथ 25 दिसंबर 2022 तक आवेदन किए जा सकेंगे. इस संबंध में पहले ही नोटिफिकेशन जारी किया जा चुका है.

एग्जाम के 1 महीने पहले जारी होगा एडमिट कार्ड

मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो सीजीबीएसई 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा जनवरी के आखिरी हफ्ते या फिर फरवरी के पहले हफ्ते में शुरू हो जाएगी. इसके लिए एडमिट कार्ड एग्जाम के 1 महीने पहले जारी कर दिए जाएंगे. एडमिट कार्ड आधिकारिक वेबसाइट cgbse.nic.in पर जारी किए जाएंगे.

प्रदूषण विभाग ने किया 187 फैक्ट्रियों को बंद करने का नोटिस जारी,मंचा हंडकप

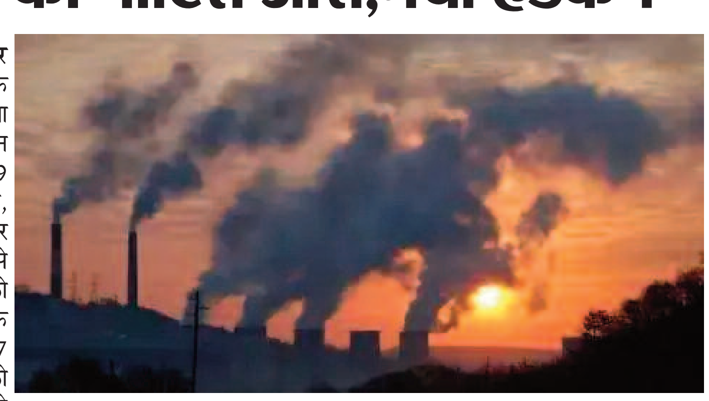

गाजियाबाद ,06 नवम्बर 2022। मेरठ के साथ-साथ एक बार फिर जनपद की आबोहवा जहरीली हो रही है। जनपद में दो दिन में बढ़कर प्रदूषण का ग्राफ 359 एक्यूआई पहुंच गया। दिल्ली, गाजियाबाद के साथ ही मुजफ्फरनगर के बिन टरबाइन वाली के कोयले से चलने वाली औद्योगिक इकाइयों को बंद करने के आदेश दिए हैं। इसके तहत प्रदूषण विभाग ने कुल 187 प्रमुख वायु प्रदूषणकारी उद्योगों को नोटिस जारी कर फैक्ट्रियों को संचालन बंद नहीं करने पर फैक्टिरयों पर सील बंद करने की चेतावनी जारी की है। शनिवार को शहर की आबो हवा एक दम जहरीली हो गई। प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। प्रदूषण दर्शाने वाले मैप में मुजफ्फरनगर में 359 एक्यूआई दर्शाया। जो रेड जोन में है। खतरनाक रेड जोन। इसमें सांस से बीमार लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। वहीं लोगों की आंखों में जलन होना आम बात है। पहले ही जनपद में डेंगू का कहर जारी है। वहीं दूसरी तरफ अब हवा भी सांस लेने लायक नहीं है। दूषित हवा से अन्य बीमारी भी बढ़ी है।

दिल्ली में स्कूल बंद हुए तो मुजफ्फरनगर में फैक्ट्रियों पर ताले लटकाने की तैयारी पूरी है। केवल गन्ना मिल व कोल्हू आदि चलते रहेंगे। दिल्ली के एक्यूआई के आधार पर जनपद में भी आयोग द्वारा वायु प्रदूषण नियंत्रण किए जाने के लिए ग्रेप स्टेज 4 की कार्रवाई की जाएगी। जनपद में 187 प्रमुख वायु प्रदूषणकारी उद्योगों को नोटिस शुक्रवार को नोटिस जारी किए गए हैं। इसके अलावा केवल ऐसे उद्योगों का संचालन जारी रहेगा जो ईंधन के रूप में एलपीजी, सीएनजी, पीएनजी, कोयला आधारित टरबाइन व बायोमॉस आदि अनुमन्य ईंधन का प्रयोग किया जा रहा हो। उसे संचालन की अनुमति है। जनपद में कुल 187 प्रमुख वायु प्रदूषणकारी उद्योगों को नोटिस शुक्रवार को नोटिस जारी किए गए विभाग ने संचालन बंद नहीं करने पर फैक्ट्रियों पर सील बंद करने की चेतावनी जारी की है। केवल ऐसे उद्योगों का संचालन जारी रहेगा जो ईंधन के रूप में एलपीजी, सीएनजी, पीएनजी, कोयला आधारित टरबाइन व बायोमॉस आदि अनुमन्य ईंधन का प्रयोग किया जा रहा हो। उसे संचालन की अनुमति है।

ईडी ने डीके शिवकुमार और उसके भाई को नये समन जारी किए

बेंगलुरु ,,06 नवम्बर 2022। प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार और उनके भाई एवं कांग्रेस सांसद डीके सुरेश को नेशनल हेराल्ड मामले में तलब किया है।

ईडी ने दोनों भाईयों को सात नवम्बर को पेश होने के लिए कहा है। इसकी पुष्टि दोनों भाईयों ने मीडिया से बातचीत करते हुए की।

इससे पहले ईडी ने इस मामले में आठ अक्टूबर को कर्नाटक में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान उनसे पूछताछ की थी।

शिवकुमार ने कहा कि मुझे

समन मिल गया है। मैं अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम में पूरी तरह से व्यस्त हूं। मैं इसे देख रहा हूं। उन्होंने मुझे और मेरे भाई को बुलाया है।

पिछले बार ईडी ने डीके बंधुओं से यंग इंडिया को दिए गए पैसों के बारे में पूछा था। ईडी ने डीके भाईयों से उनके आय के स्रोत के बारे में भी पूछताछ की।

नेशनल हेराल्ड मामला भाजपा के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी की निजी आपराधिक शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य ने धोखाधड़ी की साजिश रची और धन की हेराफेरी की।

वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए पैनल ने प्रतिबंध हटाया

नई दिल्ली ,06 नवम्बर 2022। वायु गुणवत्ता प्रबंधन पर केंद्रीय पैनल ने हवा की गुणवत्ता में गिरावट को लेकर दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लगाए गए प्रतिबंधों को हटा लिया। यह निर्णय तब आया है जब इस क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार हुआ है क्योंकि उपाय किए गए थे।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के स्तर 4 को लागू करने के निर्णय को रद्द कर दिया और यह क्षेत्र GRAP 3 के प्रावधानों के साथ जारी रहेगा। GRAP चरण में निर्धारित की तुलना में कोई सख्त उपाय नहीं हैं। - IV, जिसे वायु गुणवत्ता परिदृश्य में सुधार के लिए लिया जा सकता है,÷ पैनल ने कहा। दिल्ली का वर्तमान AQI स्तर 339 के आसपास है, जो कि GRAP स्टेज- IV क्रियाओं को लागू करने के लिए सीमा से लगभग 111 AQI अंक नीचे है (दिल्ली एक्यू आई> 450) और चरण-IV तक सभी चरणों के तहत निवारक/शमन/प्रतिबंधात्मक कार्रवाई चल रही है, एक्यूआई में सुधार जारी रहने की संभावना है। पैनल ने अपने पत्र में कहा, आईएमडी/आईआईटीएम का पूर्वानुमान भी आगे किसी भारी गिरावट का संकेत नहीं देता है।

आवारा कुत्तों ने चार साल की बच्ची को नोंचा

भोपाल ,06 नवम्बर 2022। राजधानी भोपाल में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। राजधानी के कोलार इलाके में आवारा कुत्ते ने एक चार साल की मासूम पर हमला कर दिया। इस दौरान बच्ची घायल हो गई। हैरानी की बात ये है कि नगर निगम की टीम जब कुत्तों को पकड़ने आई तो एक पेट लवर महिला ने ये कहते हुए उन्हें रोका की आवारा कुत्ते नहीं यहां के बच्चे आवारा हैं।

जानकारी के मुताबिक बच्ची घर के पास खेल रही थी, तभी झुंड में से एक कुत्ता बच्ची पर टूट पड़ा। लोगों ने उसे बचाया। मोहल्ले वालों की शिकायत पर जब नगर निगम की टीम कुत्तों को पकड़ने पहुंची तो एक पेट लवर महिला आड़े आ गई। लोगों का आरोप है कि महिला ने टीम को कुत्तों को नहीं ले जाने दिया। घायल बच्ची के परिजन ने पेट लवर महिला की कोलार रोड थाने में शिकायत की है।

सर्वधम कॉलोनी निवासी भगवान दास (32), पत्नी के साथ दानिश हिल्स व्यू पर मजदूरी करते हैं। उन्होंने बताया कि यह घटना बीते 3 नवंबर की है जब उनकी 4 साल की बेटी घर के पास खेल रही थी। तभी कुत्तों की झुंड में से एक कुत्ता आकर उसे नोंचने लगा है। गनीमत रही की मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल उसे कुत्तों से बचाया।

बीजेपी सांसद को मिली मुंबई से जान से मारने की धमकी

मांगी 50 लाख की फिरौती

प्रयागराज ,06 नवम्बर 2022।। फूलपुर से भाजपा सांसद केशरी देवी पटेल को फोन पर जान से मारने की धमकी मिली है। इससे पहले उनसे फोन कॉल और लेटर के जरिए 50 लाख रुपये की मांग की गई थी। केशरी देवी पटेल ने अब अज्ञात

फोन करने वाले के खिलाफ कर्नलगंज थाने में मामला दर्ज कराया है। प्राथमिक निगरानी से पता चला कि मुंबई से धमकी दी गई थी। पुलिस ने कहा कि पुलिस की एक टीम अब धमकियों के पीछे व्यक्ति की पहचान करने और उसे पकड़ने की कोशिश कर रही है।

प्राथमिकी के अनुसार केशरी देवी पटेल के मोबाइल पर एक नवंबर को अज्ञात नंबर से कॉल की गई थी। उस समय फोन रिसीव नहीं हो सका। तीन मिनट बाद फिर उसी नंबर से कॉल आई। उसने फोन करने वाले का नाम पूछा तो वह गाली-गलौज करने लगा। फोन करने वाले ने 50 लाख रुपये देने को भी कहा और धमकी दी कि अगर पैसा नहीं दिया तो सांसद और उसके पूरे परिवार की हत्या कर दी जाएगी।

पूर्ण चंद्रग्रहण आठ नवंबर को होगा

» भारत में आंशिक रूप से दिखाई देगा

उज्जैन ,06 नवम्बर 2022। खगोलीय घटना के तहत इस वर्ष का अंतिम पूर्ण चंद्रग्रहण आठ नवंबर होगा। लेकिन भारत में यह आंशिक रूप से दिखाई देगा।

शासकीय जीवाजी वेधशाला के अधीक्षक डॉ. राजेंद्र प्रकाश गुप्त ने बताया कि इस वर्ष का अंतिम पूर्ण चंद्र ग्रहण आठ नवंबर को होगा और यह ग्रहण भारत में आंशिक रुप से दिखाई देगा। चन्द्रग्रहण दोपहर दो बजकर 38 मिनट से प्रारंभ होगा और इसका मध्यकाल दोपहर चार बजकर 29 मिनट एक सेकंड तथा इसके मोक्ष का समय छह बजकर 19

मिनट दो सेकंड रहेगा।

डॉ. गुप्त ने बताया कि मध्य की स्थिति में चंद्रमा का सौ प्रतिशत भाग पृथ्वी के क्षेत्र में होगा, वास्तव में पूर्ण चंद्र ग्रहण की स्थिति में चंद्रमा पृथ्वी के छाया क्षेत्र में होने के कारण मध्य लाल रंग का हो जाता है। ग्रहण की अवधि चार घंटे 19 मिनट तक रहेगी।

उन्होंने बताया कि पूर्ण चंद्र ग्रहण उस समय होता है जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच में आती है जिससे सूर्य का प्रकाश चंद्रमा तक नहीं पहुंच पाता है जिससे पूर्णता के समय हमें चंद्रमा मध्यम लाल रंग का दिखाई देता है , जिसे पूर्ण चन्द्रग्रहण कहते हैं।

गुप्त ने बताया कि यह ग्रहण उत्तरी और दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, एशिया, उत्तरी प्रशांत महासागर एवं हिंद महासागर में दिखाई देगा और भारत में कोलकाता, कोहिमा, पटना, पुरी, रांची, इंफाल आदि में चंद्रोदय पूर्णता समय सायं पांच बजकर 12 मिनट से पूर्व होने के कारण हम यहां पूर्ण चंद्र ग्रहण देख सकेंगे, शेष भारत में चंद्रोदय की स्थिति के अनुसार आंशिक चंद्रग्रहण ही दृश्य होगा।

उन्होंने बताया कि धार्मिक नगरी उज्जैन में चंद्रोदय सांय पांच बजकर 43 मिनट पर होने के कारण 36 मिनट तक शाम छह बजकर 19 मिनट तक यह ग्रहण आंशिक तौर पर दिखाई देगा।

उन्होंने बताया कि चंद्र ग्रहण को हम खुली आंखों या टेलिस्कोप से देख सकते हैं पूर्वी भारत को छोड़कर देश के अधिकांश भागों में चंद्रोदय एवं ग्रहण समाप्ति के समय में ज्यादा अंतर नहीं होने के कारण हम अल्प समय के लिए आंशिक चंद्र ग्रहण ही देख सकेंगे।

उज्जैन की सबसे प्राचीन वेधशाला में आम नागरिकों को चंद्र ग्रहण को दिखाने की पूरी व्यवस्था की गई है।

हनी ट्रैप गिरोह का भंडाफोड़

» महिला गिरफ्तार,चार आरोपी फरार

बेंगलुरु ,,06 नवम्बर 2022। कर्नाटक पुलिस ने एक हनी ट्रैप गिरोह का भंडाफोड़ किया है और रविवार को बेंगलुरु में एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरोह के फरार चार सदस्यों की तलाश शुरू कर दी है। गिरफ्तार महिला की पहचान प्रिया के रूप में हुई है। गिरफ्तारी दिलीप कुमार नाम के एक व्यक्ति की शिकायत के बाद की गई। दिलीप ने आरोपी महिला से सोशल मीडिया के जरिए परिचय किया। उसने दिलीप को अपने घर आने के लिए कहा और कहा कि वह अकेली है।

दिलीप जब प्रिया के घर पहुंचकर जाल में फंसा तो चार लोग अंदर आए और उसे चाकू से धमकाया। उन्होंने उसे आरोपी के बगल में खड़ा कर दिया और फोटो और वीडियो ले लिया। उन्होंने उसे धमकी भी दी कि अगर उसने उनकी बात नहीं मानी तो वे उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड कर देंगे।

दिलीप ने उन्हें 26,000 रुपये, अपने आईफोन और कार की चाबी दी। उसने अपने भाई से यूपीआई के जरिए पैसे ट्रांसफर करवाए। आरोपी ने कार की चाबी वापस करने के लिए 60 हजार रुपये मांगे थे। दिलीप ने घटना को लेकर सद्दुगुंटेपल्या थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी प्रिया को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य की तलाश शुरू कर दी है।

CMYK

संपादकीय

टीबी बना नया खतरा

कोविड-19 महामारी के कारण टीबी का इलाज और निदान बड़े पैमाने पर प्रभावित हुआ। उसका बहुत खराब असर हुआ है। असर यह हुआ कि सालों से लगातार घट रहे टीबी के मामलों में वृद्धि देखी गई है।

ये खबर अपने-आप में बेहद चिंताजनक है कि 20 साल में पहली बार टीबी के मामले बढ़े हैं। हमारे लिए ये बात इसलिए और भी ज्यादा परेशानी का कारण है कि जहां टीबी के मामले सबसे ज्यादा बढ़े, उनमें भारत से सबसे ऊपर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के कारण टीबी का इलाज और निदान बड़े पैमाने पर प्रभावित हुआ। उसका बहुत खराब असर हुआ है। असर यह हुआ कि सालों से लगातार घट रहे टीबी के मामलों में वृद्धि देखी गई। दुनिया के सिर्फ आठ देशों में टीबी के दो तिहाई से ज्यादा मामले पाए गए हैं।

ये देश हैः भारत, इंडोनेशिया, चीन, फिलीपींस, पाकिस्तान, नाइजीरिया, बांग्लादेश और डेमोक्रैटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो। 2005 से 2019 के बीच टीबी के कारण होने वाली मौतों की संख्या में कमी देखी गई थी, लेकिन 2020-21 में यह ट्रेंड पलट गया। दुनिया में जिन चार देशों में टीबी से सर्वाधिक मौतें हुईं, उनमें भी भारत पहले नंबर पर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की इस रिपोर्ट से भारत सरकार को चौकस हो जाना चाहिए। टीबी पर नियंत्रण बड़ी मेहनत से पाई गई थी। अब ऐसा लगता है कि वैसा ही परिश्रम फिर से करना होगा। इसके लिए सबसे पहली जरूरत यह है कि पर्याप्त धन का आवंटन सरकार करे और उसके बाद अपनी और निजी क्षेत्र की एजसियों को समन्वित कर जोरदार अभियान चलाए। कोरोना महामारी ने हमें सिखाया है कि एकजुटता, प्रतिबद्धता और उपलब्ध उपायों का बराबर बंटवारा करते हुए ही हम स्वास्थ्य संबंधी खतरों से पार पा सकते हैं। अब सबक को टीबी पर लागू करने की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक 2021 में 16 लाख लोगों की मौत टीबी से हुई, जो दो साल में 14 फीसदी की वृद्धि है। 2019 में 14 लाख लोगों की मौत टीबी के कारण हुई थी। 2020 में अनुमानतः 15 लाख लोग इस संक्रामक रोग का शिकार बने। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि इस भयानक रोग के खिलाफ लड़ाई में दुनिया इस वक्त एक अहम मोड़ पर खडी है। इस चेतावनी को दुनिया भर में गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

मोरबी पुल टूटने की सजा किसे ?

गुजरात के मोरबी में जो पुल टूटा है, उसमें लगभग पौने दौ सौ लोगों की जान चली गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए। मृतकों के परिजनों को केंद्र और गुजरात की सरकारें 6-6 लाख रु. का मुआवजा दे रही हैं और घायलों को 50-50 हजार का लेकिन यहां मूल प्रश्न यह है कि क्या सरकार की जिम्मेदारी सिर्फ इतनी ही है? जो लोग मरे हैं, उनके परिजन 6 लाख रु. के ब्याज से अपना घर कैसे चलाएंगे? कई परिवार बिल्कुल अनाथ हो गए हैं। सबसे ज्यादा महिलाएं और बच्चों की मौत हुई है। कोई आश्चर्य नहीं कि उस पुल के हादसे में मृतकों की संख्या अभी और बढ़ जाए।

लगभग 200 साल पुराने इस पुल की हालत काफी खस्ता थी। कई बार उस पर टूट-फूट हो चुकी है। गुजरात सरकार ने इस पुल के संचालन का ठेका एक गुजराती कंपनी को दिया था। पुल पर आने वाले हर यात्री को वह 17 रुपए का टिकट बेचती थी। लगभग 100 लोगों के एक साथ पुल पर जाने की सुविधा थी लेकिन उस दिन कंपनी ने लालच में फंसकर लगभग 500 टिकट बेच दिए। पिछले सात महिने से उसकी मरम्मत का काम जारी था। अब छठ पूजा के नाम पर 26 अक्तूबर को यह पुल यात्रियों के लिए खोल दिया गया।

पिछले चार-पांच दिनों में सैकड़ों लोग उस पुल पर जमा होते रहे लेकिन कल शाम वह अचानक बीच में से टूट गया। सैकड़ों लोग इसलिए मौत के घाट उतर गए और घायल हो गए कि ऐसी दुर्घटना की संभावना के विरुद्ध कोई सावधानी नहीं बरती गई। यह सावधानी किसे रखनी चाहिए थी? गुजरात सरकार को लेकिन गुजरात के अधिकारियों का कहना है कि उस पुल को खोलने की अनुमति उन्होंने नहीं दी थी। ठेकेदार ने अपनी मर्जी से ही पुल खोल दिया था।

यदि ठेकेदार ने पुल खोल दिया तो स्थानीय अधिकारी क्या ऊंघ रहे थे? उन्होंने क्यों नहीं जांच की? क्यों नहीं प्रमाण-पत्र मांगा? क्यों नहीं ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की? जाहिर है कि सरकार और ठेकेदार दोनों ही इस सामूहिक हत्याकांड के लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं। यह ठीक है कि कल शाम से गुजरात के मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार ने भी यात्रियों को बचाने में जमीन-आसमान एक कर रखा है लेकिन इस दुर्घटना ने गुजरात सरकार के मस्तक पर काला टीका लगा दिया है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के विभिन्न समारोहों में तरह-तरह के भाषण देते फिर रहे हैं लेकिन उनकी कौन सुन रहा है। टीवी दर्शक भी उनके भाषणों के बजाय मोरबी-दुर्घटना के बारे में ज्यादा देखना, सुनना और पढ़ना चाह रहे हैं। उनके इन भाषणों से भी ज्यादा उनका वह भाषण इंटरनेट पर करोड़ों लोग सुन रहे हैं, जो उन्होंने पश्चिमी बंगाल में हुए चुनाव के पहले दिया था। उस समय बंगाल में भी एक पुल टूटा था। उस समय मोदी ने कहा था कि यह दुर्घटना 'गाड' की नहीं, ममता सरकार के 'फ्राड' की है। तुकबंदी के शौकीन मोदी पर यह जुमला काफी भारी पड़ रहा है।

यह असंभव नहीं कि उनके इस भाषण का उपयोग या दुरूपयोग अब 'आप पार्टी' गुजरात के आसन्न चुनाव में जमकर करेगी। पक्ष और विपक्ष के नेता मृतकों के प्रति जितनी औष्ठिक सहानुभूति बता रहे हैं, उससे ज्यादा वे एक-दूसरे पर प्रहार करने में जुटे हुए हैं। जो हुआ, सो हुआ लेकिन पुल की संचालक उस कंपनी को न केवल विसर्जित किया जाना चाहिए बल्कि उसके मालिक और दोषी प्रबंधकों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए और उसकी सारी संपत्ति छीनकर हताहतों के परिजनों में बांट दी जानी चाहिए। जो स्थानीय सरकारी अधिकारी उपेक्षा के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें भी तत्काल नौकरी से मुक्त किया जाना चाहिए।

-वेद प्रताप वैदिक-

नारियों के दमन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी
रायपुर
छत्तीसगढ़,

सशक्त कानून की आवश्यकता

देश में शहरों और गांवों में नारियों पर हो रहे अत्याचारों की खबरें मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख देती है। आसपास और पास पास इतनी दिल दहला देने वाली घटनाएं प्रकाश में आती हैं की मानवता केवल आंसू बहा कर रह जाती है। क्या इतना बड़ा सशक्त पुरुषों का समाज इसे रोकने में सक्षम नहीं है। देश में यह प्रश्न यक्ष प्रश्न की तरह हम सबके सामने खड़ा है। भारत में गरीब तबके में महिलाओं की स्थिति अभी भी दयनीय है मजदूरी करने से लेकर घरों में झाडू पोछा बर्तन मांजने तक औरत अपनी आजीविका चलाने के लिए मजबूर है। नारी उत्पीड़न की शुरुआत यहीं से होती है ।भारत में नारी अभी भी बहुत उपेक्षित प्रताड़ित तथा उत्पीड़ित है। हजारों उत्पीड़न तथा प्रताड़ना की घटनाएं प्रकाश में ही नहीं आ पाती हैं, और हम नारी दिवस पर जोर जोर से नारी उत्थान की दलीलें देते फिरते हैं। यह अत्यंत पीड़ा दायक तथा विचारणीय है।स्त्री जागरण के परिपेक्ष में भारत में नई स्त्री की संकल्पना उभरती है। भारत की स्त्री जागरण स्थितियों में पश्चिम नारीवाद का सर्वाधिक प्रभाव दिखाई देता है, इसमें बुनियादी नारी अधिकारों के जरिए सशक्तिकरण की बात की गई है। भारत में नारी उत्थान और समानता का संकल्प एवं विमर्श मूलतः मध्यम वर्गीय, शहरी और अभिजात्य इसमें स्त्रियों के बुनियादी अधिकार शिक्षा रोजगार आर्थिक स्वतंत्रता की बात का जोर शोर से जिक्र किया गया है। गांव की स्त्रियों पर घरेलू हिंसा तथा कस्बाई स्त्रियों के शोषण की समस्याएं लगभग हाशिए पर हैं। इसके अलावा भारत की परंपरागत विशेषताएं हैं जो भारतीय जनमानस में इस तरह घुली मिली हैं कि यकायक दलित स्त्री को सबला या सर्व शक्तिमान मानना पुरुष समाज को स्वीकार्य नहीं होगा। भारतीय स्त्री पति को परमेश्वर एवं मातृत्व के दायित्व को निभाने वाली एक अबला स्त्री ही है। पिता, भाई तथा पति के संरक्षण में पलने, बढ़ने के बाद उनके अधिकारों से परे जाने में अभी भी सक्षम नहीं हुई है। जबकि यूरोपीय देशों का नारीवाद एवं नारी सशक्तिकरण एक अलग दृष्टि तथा नई दिशा को दर्शाता है। भारत की नारी अपनी ÷स्त्री÷होने के दायित्व को यकायक ठुकरा कर उसकी बेड़ियों से बाहर नहीं निकल सकती। भारतीय समाज अभी भी स्त्रियों को मान्य रुप से बराबरी का दर्जा नहीं दे पाया है। वह अभी भी स्त्री को अबला एवं विज्ञापन का एक अच्छा जरिया मानता है, स्त्रियों को आज भी पुरुष विहीन समाज किसी भी तरह ग्राह्य एवं मान्य नहीं है। भारतीय संदर्भ में नई स्त्री की कल्पना वास्तव में महिलाओं के लिए एक मिथक तथा मृग मरीचिका के रूप में है। स्त्री उत्थान विमर्श के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक होगा की हर समाज की अपनी वैचारिक विशेषता, संस्कृति एवं सीमाएं होती हैं। नारी सशक्तिकरण की जितनी भी अवधारणाएं और नियम कानून बने हैं, वह सब पश्चिम से अनुसरण करके बनाए गए हैं, ऐसे में भारतीय दलित स्त्री की वैचारिकी क्या हो सकती है, इसकी संकल्पना भारतीय नारी ही कर सकती है। भारत की नई स्त्री वह होगी जो अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो, एवं स्वतंत्रत विचारों के अधिकार से अच्छी तरह वाकिफ एवं जानकार हो। कस्बाई तथा झोपड़पट्टी में रहने वाली स्त्रियों को जहां भारत में शिक्षा का अभाव है, ऐसे में उनके लिए जागरूकता लाना अभी भी एक टेढ़ी खीर तथा एक बड़े अभियान चलाने जैसी बात होगी। भारत में जहां 35त्न स्त्रियां साक्षर नहीं है, ऐसे में नई स्त्री की परिकल्पना केवल पश्चिमी देशों में ही की जा सकती है। भारत में स्वतंत्रता संग्राम से स्त्रियों की सहभागिता रही है, उसके उपरांत पंचायती चुनाव में महिला आरक्षण, संरक्षण,शिक्षा तथा रोजगार में बढ़ती सहभागिता नौकरी पेशा स्त्रियों का मातृत्व सुविधा कार्य के लिए समान वेतन का संघर्ष भारत में स्त्री बेचारी की मानसिकता को सशक्त करते हैं। भारत में नारी सशक्तिकरण एवं नारी समानता के उदाहरण चिकित्सा, तकनीकी, विधि विधाई, शिक्षा जगत, सेना तथा सरकारी नौकरी में दिखाई तो देते हैं, पर यह स्त्रियों की संख्या उनकी जनसंख्या के अनुपात में अत्यंत ही न्यून है। भारत में स्त्री समानता के लिए भारतीय समाज, सरकार, राजनेताओं, चिंतकों को पश्चिमी देशों का अंधानुकरण न कर भारत की भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, तथा धार्मिक पृष्ठभूमि को देखकर उसके अनुरूप स्त्रियों के विकास तथा सशक्तिकरण एवं समानता के लिए सशक्त योजनाएं बनाकर उसके क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी है। वरना नारी सशक्तिकरण नारी समानता और नारी उत्थान की बातें कागजों तक सिमट के रह जाएंगी, और नारी अभी भी अंधेरों में, गांवों में, झोपड़पट्टीयों में उत्पीड़न एवं शोषण का शिकार होती रहेंगी।

कैंसर के लक्षणों के प्रति जागरूकता जरूरी

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,
नई दिल्ली

कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है। आज हर व्यक्ति के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं।

भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

अब यह भी जान लें कि 'कैंसर' आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनिया भर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का प्रारम्भिक स्टेज में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।

कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी।

गुजरात चुनाव पर देश की नजर

गुजरात में लोकसभा चुनाव की घोषणा हो गई है। हिमाचल प्रदेश में चुनाव की घोषणा करने के 19 दिन के बाद चुनाव आयोग ने गुजरात में चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात के दो लंबे लंबे दौरे हुए और हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन व लोकार्पण हुआ। इस क्रम में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की प्रक्रिया एक प्रहसन बन गई और चुनाव आयोग उपहास का विषय बन गया। क्योंकि चुनाव की घोषणा के 19 दिन पहले देश को पता था कि वोटों की गिनती आठ दिसंबर को होगी। अब पता चल गया है कि मतदान एक और पांच दिसंबर को होगा। ऐसा स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव आयोग कहां होगा? लेकिन वह अलग से विमर्श का विषय है। अभी पूरे देश की दिलचस्पी का केंद्र गुजरात विधानसभा का चुनाव है। भाजपा पिछली बार की तरह कांटे के मुकाबले में जीतेगी या आसान व बड़ी जीत हासिल करेगी? मुख्य विपक्षी पार्टी के तौर पर कांग्रेस बनी रहेगी या आम आदमी पार्टी उसको रिप्लेस करेगी? आम आदमी पार्टी वास्तविक मुकाबले में है या वह सिर्फ वोट काटने की राजनीति कर रही है? ये तमाम सवाल हैं, जिन पर देश की नजर है।

गुजरात के विधानसभा चुनाव पर देश की नजर इस वजह से भी है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का गृह प्रदेश है। प्राचीन मिथकों के हिसाब से कहें तो गुजरात वह तोता है, जिसमें मोदी और शाह दोनों की जान बसी हुई है। अगर गुजरात में कोई उलटफेर होगा तो दोनों की राजनीति में भूचाल आएगा। फिर देश की राजनीति और सत्ता उनके हाथ से रेत की तरह फिसल जाएगी। गुजरात के चुनाव पर देश की नजर इसलिए भी है क्योंकि यह अर्थव्यवस्था को समझने वाले लोगों का राज है। हालांकि नोटबंदी के बाद हुए चुनावों में इस राज्य के लोगों ने भाजपा को निराश नहीं किया था। इसके बावजूद विधानसभा चुनाव में मुकाबला कांटे का हो गया था। भाजपा बहुत मुश्किल से बहुमत का आंकड़ा पार कर पाई थी और उसके विधायकों की संख्या 99 पर रूक गई थी। ऐसा इस तथ्य के बावजूद हुआ था कि 2017 में नोटबंदी का पूरा असर दिखना शुरू नहीं हुआ था और वह प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी का राज्य विधानसभा का पहला चुनाव था। उसके बाद के पांच सालों में नोटबंदी का भयावह असर दिखा है और कोरोना के दो साल में सारे काम धंधे चौपट हुए हैं। इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि राज्य के लोग मोदी और शाह की गुजराती अस्मिता और दूसरे भावनात्मक मुद्दों से ऊपर उठ कर आर्थिक मुद्दों पर मतदान करते हैं या नहीं ! चुनाव से पहले सीएसडीएस और लोकनीति के सर्वेक्षण में लोगों ने महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी को लेकर चिंता जताई। करीब 70 फीसदी लोगों ने इसे अपनी परेशानी का बड़ा मुद्दा बताया है।

-अजीत द्विवेदी-

शिशु मृत्यु दर में कमी आना सार्थक प्रयास

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू
राजस्थान

हर साल सात नवम्बर को शिशु सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों में शिशुओं की सुरक्षा से संबंधित जागरूकता फैलाना और शिशुओं की उचित देखभाल कर के उनके जीवन की रक्षा करना है। नवजात शिशुओं की उचित सुरक्षा ना हो पाने के कारण दुनिया में बहुत सारे बच्चे मौत के आगोश में चले जाते है। हमारे देश में नवजात शिशुओं की मौत की दर बहुत अधिक है। मगर अब सरकार ने इस दिशा में कई बेहतर प्रयास किये हैं जिनकी बदौलत देश में शिशु मृत्यु दर में कमी आयी है।

नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) सांख्यिकीय रिपोर्ट 2020 के अनुसार भारत में पांच वर्ष से कम आयु में मृत्यु दर 2019 में प्रति एक हजार जीवित शिशुओं में से 35 के मुकाबले 2020 में घटकर 32 रह गई है। सबसे अधिक गिरावट उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में दर्ज की गई है। भारत के महापंजीयक द्वारा हाल ही में जारी की गयी एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 2014 से शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) पांच वर्ष से कम उम्र के शिशुओं की मृत्यु दर (यू5एमआर) और नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) में कमी देखी जा रही है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के अनुसार देश 2030 तक सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) प्राप्त करने की दिशा में बढ़ रहा है। मांडविया ने इस उपलब्धि पर देश को बधाई देते हुए सभी स्वास्थ्यकर्मियों, सेवा से जुड़े लोगों तथा समुदाय के सदस्यों को शिशु मृत्यु दर कम करने में अथक कार्य करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होने कहा एसआरएस 2020 ने 2014 से शिशु मृत्यु दर में लगातार गिरावट दिखाई है। भारत केन्द्रित कार्यक्रमों, मजबूत केंद्र-राज्य साझेदारी तथा सभी स्वास्थ्यकर्मियों के समर्पण से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शिशु मृत्यु दर के 2030 एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए तैयार है।

देश में पांच वर्ष से कम उम्र के शिशुओं की मृत्यु दर (यू5एमआर) में 2019 से तीन अंकों की (वार्षिक कमी दर 8.6 प्रतिशत) देखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में पांच वर्ष से कम आयु में मृत्यु दर 2019 में प्रति 1,000 जीवित शिशुओं में से 35 के मुकाबले 2020 में घटकर 32 रह गई है। रिपोर्ट के अनुसार शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) में भी 2019 में प्रति 1000 जीवित शिशुओं में से 30 के मुकाबले 2020 में प्रति 1000 जीवित शिशुओं में से 28 के साथ दो अंकों की गिरावट दर्ज की गई है और वार्षिक गिरावट दर 6.7 प्रतिशत रही।

रिपोर्ट के अनुसार अधिकतम आईएमआर मध्य प्रदेश (43) और न्यूनतम केरल (6) में देखा गया है। रिपोर्ट के अनुसार देश में आईएमआर 2020 में घटकर 28 हो गया है। जो 2015 में 37 था। पिछले पांच वर्षों में नौ अंकों की गिरावट और लगभग 1.8 अंकों की वार्षिक औसत गिरावट आई है।

इसमें कहा गया है इस गिरावट के बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक 35 शिशुओं में से एक ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक 32 शिशुओं में से एक और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक 52 शिशुओं में से एक की अभी भी जन्म के एक वर्ष के भीतर मृत्यु हो जाती है। रिपोर्ट के अनुसार देश में जन्म के समय लिंग अनुपात 2017-19 में 904 के मुकाबले 2018-20 में तीन अंक बढ़कर 907 हो गया है। केरल में जन्म के समय उच्चतम लिंगानुपात (974) है जबकि उत्तराखंड में सबसे कम (844) है।

नवजात मृत्यु दर भी 2019 में प्रति 1,000 जीवित शिशुओं में से 22 के मुकाबले दो अंक घटकर 2020 में 20 रह गई। रिपोर्ट के अनुसार देश के लिए कुल प्रजनन दर (टीएफआर) भी 2019 में 2.1 से घटकर 2020 में 2.0 हो गई है। बिहार में 2020 के दौरान उच्चतम टीएफआर (3.0) दर्ज गई जबकि दिल्ली, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में न्यूनतम टीएफआर (1.4) दर्ज की गई। इसके अनुसार छह राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों, केरल (4), दिल्ली (9), तमिलनाडु (9), महाराष्ट्र (11), जम्मू और कश्मीर (12) और पंजाब (12) ने पहले ही नवजात मृत्यु दर के एसडीजी लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार ग्यारह राज्य और केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) - केरल (8), तमिलनाडु (13), दिल्ली (14), महाराष्ट्र (18), जम्मू कश्मीर (17), कर्नाटक (21), पंजाब (22), पश्चिम बंगाल (22), तेलंगाना (23), गुजरात (24) और हिमाचल प्रदेश (24) पहले ही यू5एमआर के एसडीजी लक्ष्य को प्राप्त कर चुके हैं।

देश में स्वास्थ्य सम्बन्धी चीजों की कमी के कारण यह समस्या और बढ़ जाती है। सरकारों ने इस समस्या से निपटने के लिए बहुत सी योजनायें लागू की है। मगर बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी तथा जागरूकता की कमी के कारण शिशुओं की मृत्यु दर में पूर्णतया कमी नहीं आई है। उचित पोषण के भाव में अब भी कई बच्चे दम तोड़ देते है। ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की कमी एवं प्रशिक्षित नर्सो व दाइयों की कमी के कारण भी विभिन्न प्रकार की समस्यायें उत्पन्न होती है।

भारत में नवजात बच्चों की मौतों के मामले सरकार के लिए बीते 75 साल बड़ी चुनौती भरे रहे हैं। हालांकि इसमें लगातार कमी आ रही है। सरकार की ओर से जो डाटा जारी किया गया है उसके मुताबिक 1951 में जहां प्रति 1000 नवजात बच्चों में 146 की मौत हो जाती थी। वहीं 2022 में घटकर अब 28 तक आ गई है। ये आंकड़ा उन बच्चों से जुड़े है जिनकी मौत जन्म के एक साल के अंदर ही कमजोर इम्युनिटी, देखरेख, दवाओं की कमी, वायरस से होने वाली बीमारियां और कुपोषण के चलते हो जाती है।

भारत ने पिछले पांच दशकों में भले ही चिकित्सा क्षेत्र में प्रगति करते हुए शिशु मृत्यु दर पर काबू पाया है। लेकिन आज भी शिशुओं की मौत बड़ा सवाल है। वर्तमान में प्रत्येक एक हजार शिशुओं में से 28 की मौत एक साल का होने से पहले ही हो जाती है। भारत के महापंजीयक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार साल 1971 में भारत की शिशु मृत्यु दर 129 थी। जो साल 2020 में बड़े सुधार के साथ 28 पर आ गई है। पिछले 10 सालों में तो इस में 36 प्रतिशत का सुधार देखने को मिला है। साल 2011 में देश की शिशु मृत्यु दर 44 थी जो अब 28 पर आ गई है। ऐसे में कहा जा सकता है कि देश ने चिकित्सा क्षेत्र में बहुत अधिक उन्नति की है। आंकड़ों के अनुसार पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्र की शिशु मृत्यु दर में सबसे अधिक सुधार हुआ है। 2011 में ग्रामीण क्षेत्र में 48 पर रहने वाली शिशु मृत्यु दर साल 2020 में 31 पर आ गई थी। इसी तरह शहरी क्षेत्रों में 2011 में यह 29 पर पर रहने वाली शिशु मृत्यु दर 2020 में 19 पर आ गई थी। पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों की शिशु मृत्यु दर में 35 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 34 प्रतिशत की गिरावट आई है।

देश के सकल घरेलू उत्पाद का 3.01 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च किया जाता है। जो काफी कम है। तभी भारत में नवजात शिशुओं की मौत पर रोक लगायी जा सकती है। शिशु सुरक्षा सिर्फ सरकार की ही नहीं वरन हम सभी की जिम्मेदारी है। हम सभी को एकजुट होकर इसके लिए आगे आना होगा तब जाकर हम अपने देश के शिशुओं की सुरक्षा के मामले में अन्य देशों की तुलना में ऊपरी पायदान पर आएंगे।

पश्चाताप

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

इक दूसरे को देख कर, पीछे उसी के भागते।
आगे रहे उनसे सदा, लिप्सा भरे वे जागते।।
राहे बुरे भी क्यों न हो, चलना कभी ना छोड़ते।
रोके अगर मनमीत जी, मुँह को उसी से मोड़ते।।
नीचा दिखाते दूसरों, को क्या जमाना आ गया।
ऊँचा बढ़े रुतबा यहाँ, छल-द्वेष मन में छा गया।।
ना मोह पैसों का रहे, चलते रहे निक बाट को।
जीवन नदी को तैर कर, पा जाय मानव घाट को।।
सोचे नहीं समझे नहीं, बनती जवानी शेर ज्यों।
कटिभाग बूढ़े डोलते, होते वहीं है ढेर क्यों।।
साथी छूटे सच्चे सभी, खिसकी धरा पैरों तले।
साँसे चले अंतिम सफर, माथा धरे दुइ कर मले।।

उसे दर्द ने ही पाला होगा

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़

उसे दर्द ने ही पाला होगा
सीढ़ी चढ़ जो पहुंचे शिखर
वही तो तकदीरवाला होगा
जिसके पांव में छाला होगा
उसे दर्द ने ही पाला होगा
दुनियाभर की आपाधापी में
कर्मों की गलती व माफी में
आगे बढ़े वह मतवाला होगा
उसे दर्द ने ही पाला होगा
सबको ले जो साथ चले
जग में सदा रहे जो भले
वही तो रखवाला होगा
उसे दर्द ने ही पाला होगा
परहित में जो दिल धड़के
सीने में अँगारे भी भड़के
वही तो दिल वाला होगा
उसे दर्द ने ही पाला होगा
मानवता के राह जो चले
भीड़ में भी अकेला चले
वही तो हिम्मतवाला होगा
उसे दर्द ने ही पाला होगा
दिल के राज जो खोल दे
अनायास ही सब बोल दे
वही तो मधुशाला होगा
जिसके पांव में छाला होगा
उसे दर्द ने ही पाला होगा

लगन लगी भोले से

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
इन्दौर मध्यप्रदेश

लगन लगी भोले से ,
मन मेरा मगन हुआ,
बगिया में फूल खिले,
ऐसा मन चमन हुआ।
लगन लगी भोले ...
रूठता हूं जब-जब तो,
भोले ही मनाते हैं,
संग-साथ बैठकर फिर,
दोनों मुस्कुराते हैं।
लगन लगी भोले ....
जीवन की डोर बंधी,
भोले के साथ है,जैसे चकोर कोई ,
चंदा के साथ है।
लगन लगी भोले ....
सोचता हूं जो-जो मैं,
भोले समझ जाते हैं,
बिन स्याही,कागज के,
सब कुछ पढ़ जाते हैं।
लगन लगी भोले ....
चाहता हूं भोले से ,
दिल में सबके प्यार हो,
मन के किसी कोने में,
अहं का न भार हो ।
लगन लगी भोले ...
आओ भोले की संगत में,जीवन बुहार दें,
घड़ियां मिली जितनी,हंसकर गुजार दें
लगन लगी भोले

अंतर्मन

अतुल पाठक
हाथरस
उत्तर प्रदेश

कोमल हृदय में पनप रहा प्रेमपुष्प,
अंतर्मन को महकाता है।
मन के उपवन में प्रेमरूपी सुमन से,
उर उमंग खुमार हो जाता है।
शरद ऋतु के स्वागत में अनगिनत
रंगों से सुसज्जित,
प्रेम अनुराग की चादर ओढ़ आता है।
ये अनजान अतुल है जो परायों को
भी अपना बनाकर,
अपनेपन की छाप छोड़ जाता है।
गीत मल्हार का गान होना चाहिए,
प्यार वो है जिसमें मर्यादा और मान
होना चाहिए।
इज़हार ए इश्क का शोर करना कोई
बड़ी बात नहीं,
ख़ामोशी समझने वाला इंसान होना चाहिए।
दिल के दर्द जिससे छिपते नहीं
छिपते जो देख सके आईने की तरह
और कदर जाने दिल की,
ऐसा कदरदान होना चाहिए।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

छतीसगढ़ के जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा लूटने वालों को जेल जाना ही पड़ेगा : अरूण साव

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ भाजपा के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के प्रथम सरगुजा आगमन पर भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ताओ ने जोरदार स्वागत व अभिनन्दन किया। सरगुजा जिले की सीमा तारा से स्वागत का जो क्रम शुरु हुआ वो उदयपुर, नवापारा, लखनपुर, मेन्ड्राकला, सांडबार, बिलासपुर चौक, अस्पताल चौक, जय स्तंभ चौक, सदर रोड़, महामाया चौक, संगम चौक, लाइट गैलरी, देवीगंज रोड़, घड़ी चौक होते हुए संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में फूल माला, पटाखें तथा जोरदार नारों के साथ सम्पन्न हुआ। सरगुजा भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ताओ ने पलक पावडे बिछाकर नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। श्री साव जहाँ युवा मोर्चा के मोटर सायकल रैली में कार्यकर्ताओ का उत्त्साह बढ़ाते नज़र आये वहीं कार्यकर्ताओ के बीच मांदर को गले में टांग थिरकते भी दिखे।

» प्रथम आगमन पर भाजपा सरगुजा ने किया प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव का भव्य स्वागत

इस अवसर पर संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में कार्यकर्ताओ के स्वागत से अभिभूत होकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि मैं भाजपा का झंडा लगाने वाला वह छोटा सा कार्यकर्त्ता हूँ जिसे पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है। भाजपा जनता, गाँव, गरीब, मजदूर, किसानों की पार्टी है जब एक छोटे कार्यकर्त्ता को संगठन ने प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है तो आप सब भी अपने आप को प्रदेश अध्यक्ष मानकर काम करें। आगे उन्होंने छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 60 साल तक देश में राज किया जिसमें पंडित रवि शंकर शुक्ल से लेकर मोतीलाल वोरा तक छत्तीसगढ़ के नेता थे जो मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री रहे परन्तु छत्तीसगढ़ को क्या मिला भुखमरी, नक्सलवाद, उपेक्षा तथा सिर्फ अपमान। आज छत्तीसगढ़ राज्य का नाम छत्तीसगढ़ है तो उसमें भाजपा व स्वर्गीय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान है। आगे उन्होंने कहा की छत्तीसगढ़ का गठन क्षेत्र के विकास व उन्नति को लेकर हुआ था परन्तु आज कांग्रेस सरकार ने इसे अपराध व भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया है। छत्तीसगढ़ में भू माफिया, रेत माफिया, शराब माफिया, कोल माफिया, के यहाँ जब ईडी और आई टी के छापे पड़ रहें हैं तो हीरा, सोना, नोटों की गड्डी तथा बेनामी सम्पत्ति के कागजात मिल रहे हैं। कोयला, रेत, शराब ले कमीशन आवन दे अऊ दिल्ली कति जावन दे यही भूपेश सरकार की नीति है। छतीसगढ़ के जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा लुटने वालो को जेल जाना ही पड़ेगा। आगे उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तथा स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के बीच चल रही लड़ाई पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कभी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दिल्ली जाते हैं तो कभी टी. एस. सिंहदेव एक आता है तो दूसरा जाता है दोनों मिलकर कुर्सी की लड़ाई के लिए छत्तीसगढ़ को बर्बाद करने पर तुले हैं। इस अवसर पर संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में आयोजित स्वागत समारोह में स्वागत उदबोधन देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने कहा कि नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष के प्रथम सरगुजा आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओ में नयी उर्जा का संचार हुआ है। सरगुजा जिले के भाजपा कार्यकर्त्ता अपने नये प्रदेश अध्यक्ष के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार हैं। इस अवसर पर भाजपा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव, जिला प्रभारी ज्योतिनंद दुबे, वरिष्ट नेता अनिल सिंह मेजर, पूर्व ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष प्रबोध मिंज, राम कृपाल साहू, शिवनाथ यादव, विजयनाथ सिंह, भारत सिंह सिसोदिया, अभिमन्यु गुप्ता, देवनाथ पैंकरा, राजेश अग्रवाल,मधुसुदन शुक्ला, सन्तोष दास, रुपेश दुबे, रोशन गुप्ता, विजय व्यापारी, विकास पाण्डेय, अभिषेक शर्मा, विश्व विजय तोमर, जन्मजय मिश्रा, राजेन्द्र जायसवाल, मनोज गुप्ता, नकुल सोनकर, दिनेश साहू, अनिल सिंह, चन्द्रिका यादव, रामकेश्वर राजवाड़े, श्रवण दास, रजनीश पाण्डेय, बैभव सिंह, महेन्द्र सिंह, प्रयाग साहू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

खराब सड़कों की मरम्मत व डामरीकरण के कार्य शुरू

जर्जर सड़कों से जल्द मिलेगी निजात

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

खराब सड़कों के मरम्मत व डामरीकरण के कार्य नगर निगम, पीडब्ल्यू व एनएच के द्वारा शुरू कर दिया गया है। शनिवार को ही नगर निगम द्वारा दर्रीपारा एवं डीसी रोड, गुदरी चौक, मणिपुर में बीटी नवीनीकरण के कार्य शुरू कर दिया गया है। इसी प्रकार लोक निर्माण व एनएच के द्वारा बनारस मार्ग, खैरबार रोड, व अम्बेडकर चौक के पास सड़क मरम्मत के कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। सड़कों के मरम्मत का काम शुरू होने से जल्द ही लोगों को जर्जर सड़क से आवागमन की परेशानी से मुक्ति मिल जाएगी।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार शहर सहित एनएच एवं अन्य प्रमुख सड़कें जो जर्जर हालत में है उनकी मरम्मत एवं डामरीकरण के कार्य सम्बंधित विभागों द्वारा शुरू की जा रही है। नगर निगम द्वारा शहर की करीब 19 सड़कों को 3 करोड़ रुपये की लागत से मरम्मत कार्य शुरू किया गया था जिसे बारिश के कारण रोकना पड़ा। अब बारिश थमने से फिर से सड़क मरम्मत के कार्य तेजी से जोर पकड़ रहा है।

महापौर ने खड़े होकर कराया सड़क दुरस्त- महापौर डॉ अजय तिर्की ने रविवार को बाबूपारा गुरुद्वारा के पास क्षतिग्रस्त सड़क को स्वयं खड़े होकर दुरुस्त करवाया। इस मार्ग से गुरुनानक जयंती पर मंगलवार को रैली निकलना प्रस्तावित है।

कोयला लोड ट्रक व टमाटर लोड पिकअप के बीच भिड़ंत,दोनों चालकों की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर थाना क्षेत्र के खडग़ांवा चौकी अंतर्गत महानदी के टर्निंग पर शनिवार की रात पिकअप व ट्रक के बीच जबरदस्त भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में पिकअप चालक की मौत मौके पर ही हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल ट्रक चालक को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकितसकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिकअप चालक अंबिकापुर से टमाटर लोड कर बनारस जाने निकला था। जबकि ट्रक चालक महान टू से कोयला लोड कर भटगांव जा रहा था। ट्रक चालक माता-पिता का इकलौता बेटा था। वहीं दुर्घटना में पिकअप के परखचच्च उड़ गए और चालक का शव वाहन में ही फंस गया। जिसे काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।

जानकारी के अनुसार सूरज पनिका पिता सूखदेव पनिका उम्र 23 वर्ष सूरजपुर जिले के भटगांव थाना क्षेत्र के ग्राम बैजनाथपुर का रहने वाला था। वह कोयला खदान महान टू में ट्रेचलर चालक का काम करता था। वह शनिवार की सुबह ड्यूटी करने गया था। रात करीब 9 बजे ट्रक क्रमांक सीजी 12 बीसी 2585 में

महान टू केरता से कोयला लोड कर भटगांव जाने निकला था। इधर ग्राम बुझा निवासी 25 वर्षीय नितेश मिश्रा पिकअप क्रमांक यूपी 64 एपी 9570 में अंबिकापुर से टमाटर लोड कर बनारास जाने निकला था। दोनों वाहन जैसे ही प्रतापपुर थाना क्षेत्र के खडग़ावा चौकी अंतर्गत महानदी के टर्निंग के पास एक दूसरे से भिड़त हो गई। दोनों वाहन काफी तेज रफ्तार में थी। दुर्घटना में पिकअप चालक नितेश की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि ट्रक चालक सूरज पनिका गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल ट्रक चालक को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर भिजवाया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अच्छे समाज के निर्माण में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण

» होलीक्रॉस वीमेंस कॉलेज में सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

स्थानीय होलीक्रॉस वीमेंस कॉलेज, अम्बिकापुर में सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 27 अक्टूबर से 3 नंबर तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सिस्टर शांता जोसेफ ने किया। उन्होंने कहा कि शिक्षण और अधिगम की परंपरागत व्यवस्था में कक्षाओं में बौद्धिक सक्षमताओं तथा ई-अधिगम के प्रयोग की ओर शिक्षकों को अग्रसर होना होगा। उन्होंने कार्यक्रम की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अगले दिवस के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस त्रिपाठी का स्वागत प्राचार्य ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मनित किया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज का निर्माता होता है। वह विद्यार्थियों में सीखने की जिज्ञासा सुनिश्चित करता है। एक अच्छा शिक्षक वही होगा जो विद्यार्थियों में अंतर्निहित क्षमता को बेहतर तरीके से उभार कर शिक्षण को रोचक बनाये। उसका कर्तव्य है कि वह छात्रों को केवल रैंकिंग होल्डर की दौड़ में शामिल होने के लिए नहीं बल्कि अच्छे इंसान बनने का भी पाठ पढ़ाएं। इस तरह अच्छे समाज के निर्माण में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस दौरान जग्यनारायण सहायक प्राध्यापक बायोटेक्नोलॉजी ने शिक्षण में तकनीक का प्रयोग कैसे करें विषय पर विस्तृत चर्चा की। डॉ. विनोद गर्ग सहायक प्राध्यापक वाणिज्य ने एकेडमिक मैपिंग विधि की जानकारी दी। समापन सत्र के मुख्य अतिथि फादर कल्यानुस मिंज निर्देशक सेंट जेवियर्स कॉलेज अम्बिकापुर ने कहा कि आने वाला समय डिजिटल शिक्षण का समय होगा। हमें इसके लिए तैयार होना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की शिक्षा पद्धति की चुनौतियां भी हैं। मशीनी समाज का निर्माण होगा जिसके अपने खतरे हैं। फादर मिंज को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एक्टिविटी डीन डॉ. कल्पना गुहा ने किया। कार्यक्रम आयोजन में विकी विक्टर का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ की सक्रिय सहभगिता रही।

दस वर्ष पहले के सभी आधार होंगे अपडेट

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

यूआईडीएआई (भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण) के द्वारा पिछ्ले 10 वर्ष के दौरान जारी तथा अपडेट नहीं कराये गए सभी आधार को अपडेट कराने की अपील की है। योजनाओं व सुविधाओं का लाभ लेने के लिए आधार का सत्यापन जरूरी है।

यूआईडीएआई के द्वारा विकसित नई तकनीक के माध्यम से आधार को अपडेट कर पुनः सत्यापन किया जाना है। आधार अपडेशन के लिए सभी आधार केन्द्रों में कैंप लगाया जा रहा है। हितग्राही अपने निकटतम लोक सेवा केन्द्रों में पीओआई व पीओए डॉक्यूमेंट (पैन कार्ड, राशन कार्ड, आधार कार्ड, पासपोर्ट इत्यादि) लेकर आधार को अपडेट करा सकते हैं। आधार अपडेट कराने के लिए 50 रुपये शुल्क निर्धारित है।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने सभी हितग्राहियों से आधार कार्ड को अपडेट कराने की अपील की है ताकि योजनाओं व सुविधाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिलता रहे।

गुरुनानक देव महाराज का 553 वें प्रकाश पर्व पर निकाली गई शोभायात्रा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

गुरुनानक देव महाराज का 553 वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में रविवार को गुरुद्वारा गुरुसिंह सभा अंबिकापुर द्वारा विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इसकी अगुवाई पंज प्यारे ने की। प्रकाश उत्सव गुरुद्वारा में 8 नवंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। गुरु साहब की भव्य शोभायात्रा गुरुद्वारा सिंह सभा, स्कूल रोड से प्रारम्भ हुई। पंज प्यारों की अगुवाई में शोभायात्रा गुरुद्वारा साहब से गुरुनानक चौक शिवाजी चौक (गुदरी चौक), जोड़ा पीपल, आकाशवाणी चौक, गांधी चौक, घड़ी चौक, संगम चौक, ब्रम्ह रोड होकर गुरुद्वारा नानक निवास बाबूपारा पहुंची। गुरुद्वारा नानक निवास में गुरुवाणी शबद कीर्तन के कार्यक्रम हुए। शोभायात्रा में सिख समाज के बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों व बच्चों ने हिस्सा लिया। इसके साथ ही जगह-जगह शोभायात्रा का भव्य स्वागत एवं प्रसाद का वितरण किया गया। शोभायात्रा में गुरुग्रंथ साहिब की सवारी वाली गाड़ी को फूल-मालाओं से भव्य रूप से सजाया गया था। शोभायात्रा के दौरान समाज के काफी संख्या में महिलाएं शामिल थीं। फूल-मालाओं से सजाए गए गुरुग्रंथ साबिह की सवारी वाली गाड़ी के पीछे महिलाएं विशेष परिधान में चल रहीं थी। इस दौरान महिलाएं गुरुग्रंथ के पीछे गुरुवाणी शबद कीर्तन कर रहीं थी। गुरुनानक देव के 553वें प्रकाश पर्व पर शसोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान शहर के हर चौक चौराहों पर वभिन्न समाज व संगठन के लोगों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

CMYK

वनमण्डल अधिकारी भ्रष्टाचार के नींद में ऐसे लीन कि दिखाई नहीं दिया,जिस जगह डैम बना रहे है वहां पूर्व से तालाब स्थित है

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 6 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

शासकीय काम काजों मे अनियमितता और भ्रष्टाचार तो आये दिन देखने सुनने को मिलती ही रहती है। सूत्रों द्वारा बताया गया रेंजर महोदय राजनीतिक नेताओं से अच्छे ताल्लुक बना कर रखे हुए हैं। इसलिए कई बार विवादों में आने के बाद भी इन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई ना ही जांच, जब भी मीडिया में इनकी खबर आती है तो ईमानदार वन मंडल अधिकारी का कहना होता है की मीडिया को बदनाम है मेरे से रुपया पैसा मांगा जा रहा है पैसा ना देने के कारण मेरी झूठी खबर चलाया गया है, मीडिया कर्मी पर इस तरह का अगर आरोप लगा रहे हैं तो पूरे सच्चाई और सबूत के साथ बताएं, क्योंकि अधिकारी महोदय पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त है। अब देखना होगा शासन प्रशासन इनकी जांच कब करवाती है? मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल के अधिकारी भ्रष्टाचार के नींद में इस कदर लीन है कि उन्हें यह भी दिखाई नहीं दिया कि जिस जगह लाखों का डैम बना रहे है वहां पूर्व से ही तालाब बना हुआ था।

दरअसल पूरा मामला कोरिया जिले से अलग हुए नवगठित जिला एमसीबी अंतर्गत मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल का है, जहां पूर्व में जल संसाधन विभाग ने 42.87 लाख की लागत राशि से तालाब का निर्माण कराया था। तालाब में पानी का ज्यादा भराव होने से मे? का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था, अब सी तालाब को वन विभाग ने अलग से लगभग 65 लाख खर्च कर डेम दिया। जानकरी अनुसार बना मनेन्द्रगढ़ विकास खण्ड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भौता में वर्ष 2013 में जल संसाधन विभाग बैकुंठपुर ने रोजगार गारण्टी योजना से बसकोहा तालाब का निर्माण सेवानिवृत्त एसडीओ जेपी रॉय के देख रेख में कराया था वर्ष 2013 और 2015 दो भाग में कुल 68 लाख 41 हजार की प्रशासकीय स्वीकृति मिली थी जिसमे 42 लाख 87 हजार व्यय कर तालाब का निर्माण कराया गया था। तालाब निर्माण पूर्ण होने के मह? दो से तीन वर्ष याने 2019 में मेड का कुछ हिस्सा टूट कर वह गया जिसका नुकसान का आंकलन जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक 20 लाख आंका गया था तालाब के मेड को दोबारा बनाने जल संसाधन विभाग का कोई प्रयास न देख वन विभाग ने उसी तालाब को पुनन्नया डेम बनाने कार्य योजना बना गुपचुप तरीके से कार्य शुरू कर दिया खास बात यह है कि जिस तालाब के मेड को ठीक करने में 20 लाख लगते वहां रेंजर और इंजीनियर ने मिलकर लगभग 65 लाख खर्च कर दिए। यही नही पुराने तालाब में लगे पोचिंग पत्थरों का भी दोबारा उपयोग कर वन विभाग के अधिकारी एक बार फिर से लाखों का वारा-न्यारा कर दिए। इस सम्बंध में जब मनेन्द्रगढ़ वनमंडलाधिकारी लोकनाथ पटेल से जानने की कोशिश की गई तो उन्होंने कहीं अन्यत्र होने की बात कहीं।

सचिन व सुरभि ने किया नगर का नाम रोशन

सूरजपुर, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। नगर के प्रतिष्ठित मेडिकल संचालक राजेश जायसवाल के बेटे बेटियों ने जिले का नाम रोशन किया है। डॉ सचिन जायसवाल एमबीबीएस की जगदलपुर गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई की थी और अब एमडी

मेडिसिन है तो लखनऊ में चयन हुआ है वही । डॉ सुरभि जायसवाल गवर्नमेंट मेडिकल पंडित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर से एमबीबीएस की है पढ़ाई की थी अब उनका चयन बीएचयू बनारस स्थित नेत्र रोग विशेषज्ञ के रूप हुआ है। इसका श्रेय दोनों भाई बहन ने अपने माता पिता व परिवार को दिया है, पिता राजेश , मां सीमा जायसवाल, चाचा डॉ रजनीश जायसवाल , चाचा राकेश सहित परिवार जनों को दिया है। बच्चों की इस उपलब्धि पर नगर सहित परिजनों में हर्ष व्याप्त है।

इश्तियाक अहमद होंगे जामा मस्जिद के नए सदर,चुने गए निर्विरोध

प्रतिद्वंद्वी का नामाँकन रद्द

- संवाददाता -
सूरजपुर, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

इस्लामिया इंतजामियां अंजुमन कमेटी जामा मस्जिद के नए सदर के रूप में इश्तियाक अहमद निर्विरोध चुने जाने से उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इश्तियाक अहमद को आज तहसीलदार संजय राठौर ने सदर का प्रमाण पत्र सौपा। बोर्ड के निर्देशानुसार कारए गए चुनाव में इश्तियाक अहमद ने निर्विरोध सदर चुन लिए गए। यूं तो सदर के लिए दो लोगो ने नामांकन जमा किया था।जिसमें एक नामंकन स्कूटनी के दौरान गलत पाए जाने के कारण तहसीलदार के द्वारा उनका नामांकन निरस्त कर दिया गया।जिससे इश्तियाक अहमद को निर्विरोध सूरजपुर जामा मस्जिद का सदर बनाने की घोषणा कर दी गई और उन्हें सदर का प्रमाण पत्र दिया गया। जिससे उनको समर्थकों में काफी खुशी है। इश्तियाक अहमद का कहना है कि जो जिम्मेदारी मुझे मिली है उसे सब से मिलकर पूरा करने की कोशिश करेंगे।और जो भी कमेटी के काम रुके हुए हैं उसे प्राथमिकता के साथ जल्द पूरा करने की कोशिश करूंगा। उनकी जीत पर पूर्व सदर दिलावर खान सहित , मुस्ताक पंढरी, रज्जाक अहमद,अख्तर मंसूरी, इमरान खान, बबलू,सुल्तान, मोंटी, इकबाल खान,जफर सिद्दीकी, नौशाद अहमद, दिलशाद अहमद,जानी खान,एजाज अंसारी, आमिर खान ,अनवर खान ,समरोज खान,फिरोज खान ,अब्दुल बासित, दानिश ,सुफियान खान ,अनस खान ,समीर खान, सोहेल मंसूरी, फरहान, फैजान, राहिल आदि ने मुबारकबाद दी है।

पर्व नपा अध्यक्ष अशोक के सौजन्य से नौ दिवसीय संगीतम श्रीराम कथा कलश यात्रा के साथ आज से प्रारभ

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 6 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

नौ दिवसीय संगीतम श्री रामकथा कलश यात्रा के साथ 7 नवंबर से शुरू होगा जो 16 नवंबर को इस कथा का सम्पन होगा, यह आयोजन मंगलम कंपाउंड गढेलपारा में होगा, 7 नवम्बर को प्रातः 11ः00 बजे से निकलेगी कलश यात्रा जिसमे समस्त क्षेत्र की जनता को सपरिवार सादर आमंत्रित किया गया ताकी श्री राम कथा मे कलश यात्रा पहुच कर पर्ण के भागीदार बने।

नौ दिवसीय संगीतम श्री राम कथा जिला कोरिया बैकुंठपुर गढेलपारा बैकुंठपुर में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जयसवाल पार्षद साधना जयसवाल एवं समाज जन कल्याण समिति बैकुंठपुर के द्वारा आयोजित श्री राम कथा में क्षेत्र की जनता सादर आमंत्रित दिनांक 7 नवंबर से 16 नवंबर 2022 तक स्थल श्री मंगलम कंपाउंड गढेलपारा बैकुंठपुर मैं आयोजित की जा रही है।

आपको बता दें कि बैकुंठपुर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जयसवाल के द्वारा बताया गया कि कथा व्यास श्री दीपू भाई (भाई श्री) गीताकुटी ताला जिला सीधी मध्य प्रदेश से आए हुए महाराज जी नौ दिवसीय संगीतम श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा, समस्त क्षेत्रवासियों से मैं निवेदन करता हूं कि भारी से भारी संख्या में आकर श्री राम कथा सुनिए और आनंद उठाए।

जन कल्याण समिति बैकुंठपुर के सदस्यगण- अंगरक्षक प्रकाश जयसवाल, एमएल सोनी, गुलाब बड़ेरिया, अजय जयसवाल, बागेश्वर गुप्ता, सत्य प्रकाश गुप्ता, अध्यक्ष अशोक जयसवाल, कोषाध्यक्ष प्रेम नाथ दुबे, उपाध्यक्ष अजय सिंह, अमित दुबे, दिनेश जयसवाल, विकास श्रीवास्तव, दीपक गुप्ता, विश्वास भगत, सचिव आदित्य शर्मा, विकास शिवहरे, विनोद जयसवाल, अनिल अग्रवाल, सतीश सदस्य, दिवाकर कश्यप, देवी प्रसाद खटीक, गोविंद रूपचंद गुप्ता, दिनेश चक्रधारी, त्रिवेणी शंकर शुक्ला, पुष्पेंद्र जयसवाल, ममता मिश्रा, युवा श्री राम सेना सदस्य राजेश यादव, विजेंद्र साहू, संदीप राजवाड़े, राजेश साहू, सनी पैकरा, विजेंद्र पैकरा, धीरज यादव, सूरज यादव, संजय साहू, समस्त समिति के मेंबर के द्वारा आमंत्रण श्री राम कथा का स्वीकार करें और भारी से भारी संख्या में आकर श्री राम कथा का आनंद एवं श्री राम कथा सुने।

बनारस रोड में डामरीकरण कार्य शुरू

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जिले में जर्जर सड़कों के मरम्मत व नवीनीकरण के कार्य तेजी से शुरू हो गए हैं। रविवार को लोक निर्माण विभाग द्वारा बनारस रोड में करीब 2 किलोमीटर डामरीकरण का कार्य किया गया। लोक निर्माण विभाग द्वारा बनारस रोड में 10 किलोमीटर तक डामरीकरण किया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री व्ही.के. बेदिया ने बताया कि बारिश थमने के बाद फिर से सड़क मरम्मत के कार्य शुरू किए जा रहे है। शहर से निकलने वाली प्रमुख मार्गो का पहले नवीनीकरण किया जाएगा। इसके साथ ही विभाग के द्वारा संधारित शहर के अंदर की सड़कों के भी नवीनीकरण के कार्य शुरू किया जाएगा।

धान की पैदावार अच्छी पर रकबा शून्य होने से किसानों के चेहरे में मायूसी

- संवाददाता -
सूरजपुर, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

खरीफ फसल में धान की अच्छी पैदावार होने के बावजूद भी किसानों के चेहरे पर मायूसी है।रकबा शून्य होने कारण किसानों को समितियों में धान बेचने का चिंता सता रहा है। शासन के द्वारा एक ऋण पुस्तिका एक पंजीयन का नियम लागू होने से बहुतेरे किसानों के रकबा शून्य हो गए हैं।आलम यह है कि किसान अब तहसील का चक्कर लगा रहे हैं। अच्छी धान फसल के बावजूद भी किसान इन दिनों परेशान हैं और परेशानी का कारण एक ऋण पुस्तिका एक पंजीयन का नियम लागू होना है यह निर्णय लागू होते ही सम्मिलित खातेदार जो अलग-अलग पंजीयन कराकर कब्जा के आधार पर धान बेचते थे उनके लिए यह निर्णय किसी मुसीबत से कम नहीं है ऐसे किसानों की संख्या एक समिति में सैकड़ों से अधिक है इसका निदान सिर्फ खाता विभाजन ही है जो अभी संभव होता दिखाई नहीं देता। अब तो ऐसे में आपसी विवाद होने से भी नहीं नकारा जा सकता जो खाते अब तक आपसी बंटवारे नहीं हुए हैं उसका भी कारण आपसी विवाद ही होगा और जो अन्य किसानों के शून्य हुए हैं उसे जोड़ने या सुधारने का कार्य तहसील कार्यालय में किया जा रहा है ऐसे भी किसानों की संख्या बहुत है अब देखना दिलचस्प होगा कि ऐसे किसानों का भी रकबा सुधार हो पाता है या नहीं?

00शिवप्रसाद नगर समिति का रकबा हो गया था शून्य विकासखंड के शिवप्रसाद नगर समिति में सूरजपुर के देवनगर समिति के सोनपुर शू ग्राम का रकबा जुड़ने से भैयाथान सोनपुर शि के लगभग 300 से 400 किसानों का रकबा शून्य हो गया था हालांकि वर्तमान में एनआई सी रायपुर से सुधार कार्य किया जा रहा है अब लगभग 100 किसानों का रकबा ही अपडेट करना शेष है।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वयं सेवकों ने की आगामी कार्यक्रमों पर परिचर्चा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में संस्था के प्रभारी प्राचार्य डॉ.एस.के.श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम के अंतर्गत समस्त स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना की वार्षिक कार्य योजना के बारे में बताया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ स्वयंसेवकों ने नवीन स्वयं सेवकों को अपने अनुभवों से अवगत कराया ।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री राजीव कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य , लक्ष्य, सिद्धांत , प्रतीक चिह्न के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सभी स्वयंसेवकों को 10-10 के ग्रुप में विभाजित किया गया । प्रत्येक ग्रुप का छत्तीसगढ़ की नदियों के नाम से नामकरण किया गया जैसे कि महानदी ग्रुप , शिवनाथ ग्रुप, अरपा ग्रुप आदि। प्रत्येक ग्रुप का एक लीडर बनाया गया ,जो कि समय-समय समय पर बदला जा सकेगा । इस प्रकार सभी में नेतृत्व गुण का विकास होगा।

आज के सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ स्वयं सेवक गौतम गुप्ता, जयप्रकाश सिंह,मनोज चौधरी, उज्वल ने किया एवं साथ ही आयुष गुप्ता, पालिस्तर लकड़ा, अभ्युदय, प्रमोद, संजर , शुभम सिंहआदि स्वयं सेवकों ने उत्साह पूर्वक सहयोग किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक छात्र उपस्थित रहे ।

हरियाली संदेश के साथ राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सर्वेक्षण कार्य प्रोफ़ेसर दीपिका के द्वारा पूरा किया गया

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर की सहायक प्राध्यापक दीपिका स्वर्णकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उच्च शिक्षा संस्थानों में सतत विकास और स्वच्छता क्रियान्वयन योजना के प्रसार हेतु सरगुजा जिले की रिसोर्स पर्सन का दायित्व निर्वहन करते हुए एमजीएनसीआरई के रिसोर्स पर्सन के रूप में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं एवं वहां के अधिकारी कर्मचारियों को स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण व हरियाली इत्यादि के बारे में जानकारी दी और प्रेरित किया। साथ ही महाविद्यालय की गुणवत्ता विकास में छात्र-छात्राओं की भागीदारी से उन्हें परीचित कराया। प्रोफेसर दीपिका ने बताया कि एमजीएनसीआरई के इस प्रोजेक्ट के तहत उन्हें जिले के 10 महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं और फैकल्टी के साथ उक्त विषयों पर वर्कशॉप तथा महाविद्यालय कैंपस का सर्वेक्षण भी करना था जो एक तरह से महाविद्यालय का आंतरिक ऑडिट भी है, साथ ही महाविद्यालय में ÷सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण जुड़ाव प्रकोष्ठ÷ का भी गठन करना था, जिसमें शिक्षकों व छात्र-छात्राओं दोनों की भागीदारी होगी। यह सभी कार्य महाविद्यालयों की ह्रष्ट मूल्यांकन में अच्छे ग्रेडिंग हेतु भी अति महत्वपूर्ण हैं। जिले के 10 महाविद्यालयों में शासकीय राजमोहिनी देवी कन्या महाविद्यालय ,शासकीय विज्ञान महाविद्यालय,होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज ,साई बाबा आदर्श महाविद्यालय, केआर टेक्निकल कॉलेज, सेंट ज़ेवियर शिक्षा महाविद्यालय,सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय, शासकीय महाविद्यालय बतौली, राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय तथा राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में सर्वेक्षण कार्य किया गया।

प्रोजेक्ट की अंतिम कड़ी में राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वर्कशॉप का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरुआत में प्रोफेसर दीपिका ने हरियाली संदेश के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य को आंवले का पौधा भेंट किया, इसी तरह अन्य महाविद्यालयों को भी एक -एक पौधा भेंट की जिससे छात्र-छात्राएं प्रेरित हो सकें ।उन्होंने छात्रों से भी कहा कि भेंट स्वरूप गुलदस्ते से बेहतर है किसी को कोई पौधा दें जो पर्यावरण संरक्षण में हमारा छोटा सा योगदान हो सकेगा। कार्यक्रम की शुरुआत में प्राचार्य द्वारा छात्र छात्राओं को कार्यक्रम की महत्ता से अवगत कराया गया, तत्पश्चात स्वशासी प्रकोष्ठ नियंत्रक डॉ राजकमल मिश्रा एवं आइक्यूएसी नियंत्रक डॉक्टर आरपी सिंह ने भी छात्रों को कार्यक्रम के महत्व से परिचित कराया, तत्पश्चात रिसोर्स पर्सन प्रोफेसर दीपिका ने छात्र -छात्राओं से इंटरेक्शन प्रारंभ किया, कार्यक्रम में उपस्थित छात्र छात्राओं ने पूरी गंभीरता से कार्यक्रम को सुना भी और प्रश्न भी किये जिनका निदान भी किया गया। रिसोर्स पर्सन के द्वारा छात्राओं को एक स्टूडेंट गार्डन विकसित करने हेतु प्रेरित किया गया, जिसमें छात्रों ने उल्लास के साथ हामी भरी। कार्यक्रम के पश्चात कॉलेज का भ्रमण कर रेन वाटर हार्वेस्टिंग, सोलर पैनल ,नर्सरी ,गार्डन आदि के संबंध में रिपोर्ट भी बनाई गई है। कार्यक्रम में प्रोफेसर डॉक्टर एस.के. श्रीवास्तव, प्रोफेसर डॉक्टर रिजवान उल्लाह,डॉ प्रतिभा सिंह ,डॉक्टर विजय लक्ष्मी शास्त्री, डॉक्टर अजय पाल सिंह, प्रो संदीप कुशवाहा ,डॉक्टर रामेश्वरी बंजारा,प्रो राजीव केहरि ,प्रोफ़ेसर शशि कला, प्रोफेसर गिरिजा,प्रो. आशीष मिश्रा, प्रो. मोनिका सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक ,अतिथि प्राध्यापक एवं जनभागीदारी शिक्षक उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन प्रो संजीव कुमार लकड़ा के द्वारा किया गया। अंत में प्रोफेसर दीपिका स्वर्णकार ने बताया कि अब सभी महाविद्यालयों की रिपोर्ट तैयार कर एमजीएनसीआरई को भेजी जाएगी जिसके विश्लेषण पश्चात एमजीएनसीआरई महाविद्यालयों को रैंकिंग देगी उन्होंने कहा यह अनुभव बहुत ही अच्छा रहा अकादमिक अनुभव के साथ व्यक्तित्व विकास भी हुआ है जो उनके अध्यापन कार्य को और बेहतर बनाएगा। इसके लिए उन्होंने एमजीएनसीआरई को धन्यवाद दिया साथ ही प्राचार्य डॉक्टर एस.एस. अग्रवाल, भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर आर.के. जायसवाल, डॉक्टर अनिल कुमार सिन्हा को संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान पूर्ण सहयोग एवं उत्साहवर्धन हेतु विशेष धन्यवाद दिया।

एनसीबी जिला पारकर कैसे एमपी का अवैध शराब पहुंच रहा कोरिया?

» क्या एमपी का शराब एमसीबी पुलिस के बिना अनुमति कोरिया पहुंचना संभव?

» एमसीबी के मनेंद्रगढ़ कोतवाली क्षेत्र के दो प्रतिष्ठित होटलों तक अवैध शराब पहुंचाने की अनुमति?

» आखिर मनेंद्रगढ़ थाना पारकर कोरिया में कैसे पहुंच रहा है एमपी का अवैध शराब।

क्या पुलिस जिले के सारे अवैध शराब बेचने वाले ठिकानों पर छापा मार कार्यवाही कर अधिकारियों के आंख में धूल झोंक रही मनेन्द्रगढ़ पुलिस?

» दो प्रतिष्ठित होटलों में जंहा शराब बिक रहा वहा छापा मारने में पुलिस क्यों घबरा रही?

» कोरिया में एक व एमसीबी के दो प्रतिष्ठित होटलों में पहुंचती है एमपी की अवैध शराब।

» यदि दोनों जिले की पुलिस इतनी ही मुस्तैद व ईमानदार है तो कैसे पहुंच रहा एमपी का अवैध शराब?

-रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 6 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)

एमपी का अवैध शराब जब कोरिया का विभाजन नहीं हुआ था ताभी जिले के कुछ प्रतिष्ठित होटलों में लंबे पैमाने पर खा पाया जाता था, तभी पुलिस कुछ नहीं कर पाती थी और जिला विभाजन के बाद 2 जिले की पुलिस अब भी कुछ नहीं कर पा रही, आखिर एमपी के बॉर्डर से एमसीबी और अंदर कोरिया जिला कसे मध्यप्रदेश का अवैध शराब आ रहा है? यह एक बड़ा सवाल है कुछ दिन पहले भी इनोवा में शराब पकड़ाया था, अब यह बात एक बड़ा प्रश्न है कि आखिर जब पुलिस की सेटिंग नहीं है तो फिर तो उस गाड़ी को मनेन्द्रगढ़ में ही पकड़ा जाना था पर आखिर कैसे वह गाड़ी कोरिया जिला पहुंच गई और पुलिस के हत्थे चढ़ गई? सूत्रों की माने तो एमसीबी जिले के मनेन्द्रगढ़ व एमपी के बॉर्डर बिजूरी पर स्थित एक शराब दुकान से अवैध तरीके से भारी मात्रा में शराब मनेंद्रगढ़ के दो प्रतिष्ठित होटलों में भारी मात्रा में जाते हैं, तो वही कोरिया जिले के एक प्रतिष्ठित होटलों में भी शराब आता है पर सवाल यह है कि आखिर इतने भारी मात्रा में यह शराब बिना पुलिस के मिलीभगत से वहां तक पहुंचना तो नामुमकिन है और पुलिस भी यह बात को जानती है कि अवैध शराब कहां खा पाया जा रहा है पर पुलिस भी वहां तक पहुंचने में घबरा जाती है, क्योंकि वह इतना बड़ा नाम है कि पुलिस की हिम्मत नहीं कि वहां पर छापेमारी कर सकें यही वजह है कि पुलिस बाकी छोटे-मोटे होटलों व ढाबों में छापा मारकर अपनी कार्यवाही की लिस्ट लंबी कर लेती है और बता देती है कि हम तो अवैध कारोबार नहीं चाहते इसलिए हम लगातार कार्यवाही कर रहे हैं और पुलिस के नाक के नीचे ही अवैध कारोबार हो जाता है और पुलिस सिर्फ सफाई देते रह जाती है।

क्या अवैध कारोबार और भ्रष्टाचार रोकने प्रदेश मुख्यमंत्री का दावा केवल दिखावा?- प्रदेश में अवैध कारोबार और भ्रष्टाचार चरम पर है इसबात से इंकार नहीं किया जा सकता जहां एकतरफ प्रदेश में अवैध कारोबारियों पर प्रशासन एवम पुलिस का नियंत्रण नहीं है बशर्ते सहयोग है उसी तरह भ्रष्टाचार भी जमकर हो रहा है प्रदेश में। प्रदेश में खनिज संपदाओं का दोहन अवैध रूप से बड़े पैमाने पर जारी है और लगभग हर खनिज आज अवैध कारोबारियों के ही हवाले है सरकार का बिल्कुल भी नियंत्रण इन अवैध कारोबारियों पर नही है, वहीं बात भ्रष्टाचार की यदि हो तो शासकीय प्रत्येक विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है और भ्रष्टाचार के सहारे नौकरशाही संपन्न होती जा रही है। प्रदेश में 15 साल बाद जनता ने सत्ता परिवर्तन किया और बहोत सी अपेक्षाएं नई सरकार से लोगों ने कि, लेकिन लोगों की अपेक्षाएं धरासाई होती चली गई और अवैध कारोबारियों सहित भ्रष्टाचारियों की मददगार बनकर सरकार रह गई। प्रदेश के मुखिया गाहे बगाहे भले ही भ्रष्टाचार एवम अवैध कारोबार के खिलाफ मुखर होते हैं कार्यवाही की बात करते हैं लेकिन जब हर जगह भ्रस्टाचार एवम अवैध कारोबार को फलता फूलता देखा जाता है तो ऐसे में उनकी इसको लेकर मुखरता भी गलत साबित हो जाता है कोरा दावा साबित हो जाता है। आज प्रतिदिन समाचारों में अवैध कारोबार भ्रस्टाचार के समाचार छप रहें हैं लेकिन कार्यवाही अवैध कारोबारियों भ्रष्टाचारियों पर नहीं सच सामने लाने वालों पर हो रही है। प्रशासनिक निरंकुशता प्रदेश में हावी है और सतर्कता विभाग जैसे विभाग मौन साधे बैठे हैं। प्रदेश में अवैध कारोबारियों का अपनी अलग नीति है और उसे प्रशासन का सहयोग है।

मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी फेविकोल की तरह कुर्सी में चिपके हुए हैं- मनेंद्रगढ़ थाना जब अविभाजित कोरिया का हिस्सा था तब से लेकर आज तक वहां के थाना प्रभारी वहां पर फेविकोल की तरह चिपके हुए हैं उस कुर्सी को छोड़ नहीं रहे और अब तो यह कहां जा रहा है कि अब तो यह नया जिला हो गया है तो अब 3 साल यहां के थाना प्रभारी और रहेंगे, सवाल यह है कि जिला नया है पर पुराना थाना है,मनेन्द्रगढ़ थाने का इतिहास बन जाएंगे वर्तमान थाना प्रभारी, क्योंकि इतना लंबा कार्यकाल किसी थाना प्रभारी ने इतने विवादों वह इतने अवैध कारोबार के बीच नहीं काट पाया, आखिर यह थाना प्रभारी में ऐसा क्या है कि इनके लिए अधिकारी भी नतमस्तक हो जाते हैं चाहे शिकायत आए या अवैध कारोबार फले फुले पर यह तो इस थाने के थानेदार की कुर्सी छोड़ने से रहे, यदि यह 2023 भी इसी थाना के कुर्सी पर बैठकर काट लिया तो मनेन्द्रगढ़ की इतिहास के सुनहरे पन्नों में इनका नाम दर्ज हो जाएगा इतना लंबा थाना प्रभारी रहने वाला कोई व्यक्ति था तो वह है सचिन सिंह, जो विभाजित कोरिया के 2 साल से ऊपर और नवीन जिले का डेढ़ साल पूरा कर सकते है क्योंकि मनेन्द्रगढ़ थाना प्रभारी कुर्सी पर फेविकोल लगाकर चिपक गए हैं जिन्हें कोई हटा ही नहीं सकता। कांग्रेस का यह कार्यकाल पूरा करेंगे क्योंकि उनकी पकड़ बहुत ऊंची है और इस पकड़ पहुंचकर बीच में यह जो अवैध कारोबार का सिलसिला चल रहा है इसमें भी कहीं ना कहीं पुलिस के दामन दाग लगने जैसा है।

पूरे शहर को पता है कि किस प्रतिष्ठित होटल में अवैध शराब बिक रहा पर पुलिस को बात नहीं पता?- मनेंद्रगढ़ के जिस प्रतिष्ठित होटल में शराब बिक रहा है उसे कौन नहीं जानता और किसी से यह छुपा भी नहीं है पर सवाल यह है कि पुलिस के पास भी इतनी हिम्मत नहीं कि उन ठिकानों पर छापा मार ले इसीलिए पुलिस भी कहीं ना कहीं वहां तक पहुंचने से घबरा जाती है, यदि पुलिस वहां तक कम से कम नहीं पहुंच पा रही तो कम से कम वहां तक शराब ना पहुंचे इसकी ऐसी व्यवस्था कर दी जाए पर यह भी पुलिस नहीं कर पा रही, क्योंकि कहीं ना कहीं यह भी आरोप लग रहे हैं कि पुलिस की अच्छी सांठगांठ है और यदि ऐसा कर दिए तो उनके लाभ पर असर पड़ेगा, पर लाभा पर असर क्यों पड़ने दें वह अपने ही तरीका बदल कर अधिकारियों को खुश करने की छोटी मोटी कारवाही दिखा दे रहे हैं, कार्यवाही दिखावे की हो रही है इस लिए तो नतीजा यह है की एमपी का अवैध शराब तो जिले में प्रवेश कर ही रहा है।

लंबी सेटिंग से एमपी का शराब जिले में होता है प्रवेश- सूत्रों की माने तो मनेंद्रगढ़ पुलिस की इतनी अच्छी सेटिंग है की अवैध शराब तो जिले में आने से कोई नहीं रोक सकता? यही वजह है कि अवैध शराब यदि आता भी है तो उन प्रतिष्ठानों में जाता है जहां पुलिस भी कारवाही करने से से घबरा जाती है सूत्रों के अनुसार बिजुरी व मनेंद्रगढ़ के सरहद इलाके पर एक दारु भट्टी है जो मध्य प्रदेश में पड़ता है जहां से शराब को मनेंद्रगढ़ कोरिया सहित तमाम जगहों पर भेजा जाता है पर कार्यवाही वहां होती है जहां पर सेटिंग नहीं होती जहां सेटिंग होती है वहां कार्यवाही नहीं होती।

सीआरपीएफ नें आजादी के अमृत महोत्सव काल के दौरान सबाग में किया सिविल एक्सन कार्यक्रम

- संवाददाता -
कुसमी, 06 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के सामरीपाठ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सबाग में सीआरपीएफ 62 बटालियन नें ग्रामीण क्षेत्र में सिविक एक्सन कार्यक्रम के तहत ग्रामीण को जरुरी का सम्मान भेट किया, दरसल सीआरपीएफ केन्द्रीय रिजर्व बल ए 62 बटालियन का कैम्प सबाग में स्थापित है आपको बता दे कि कभी सबाग भी घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रुप में जाना जाता था लेकिन केन्द्र व राज्य सरकार के समन्वय से नक्सल क्षेत्रो में सीआरपीएफ कैम्प की स्थापना की जाने लगी इसी के तहत सबाग में भी सीआरपीएफ कैम्प की स्थापना की गई, और सीआरपीएफ के अधिकारी एवं जवानो की कडी मेहनत से क्षेत्र में नक्सल गतिविधियो में लगातार नकेल कसा जा रहा है, जिसके फलस्वरुप क्षेत्र की जनता शांतिपुर्वक अपना जीवन जीने लगे है विभिन्न शासकीय योजना भी गांव तक पहुचने लगी है,सीआरपीएफ बटालियन के कमाण्डेन्ट प्रमोद कुमार सिंह के दिशा निर्देश पर एमानुअल बास्के द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में सबाग क्षेत्र के अंतर्गत नवाडीह सुलगंडी पोकार जापाटोली गंदामी पंडापारा जलजली कुरीडीह गांवो के महिला पुरुष व बच्चो के लिये दैनिक उपयोग में लाने वाले समाग्री कम्बल,सोलर लैम्प,वाटर स्टोरेज टैन्क फुटबाल बालीबाल स्कुल के बच्चो के लिये स्कुल बैग का वितरण किया,आजादी के अमृत महोत्सव काल के दौरान सुदूर अंचलो के गांवो में रहने वाले बुढे बुजूर्ग बच्चो महिला पुरुष को मुलभूत आवश्यकताओं की पुर्ती हेतु सरकार के द्वारा चलाई जा रही सीविक एक्सन प्रोग्राम के माध्यम से आवश्यक सामाग्री मिलने से लाभ मिल रहा है जिसके ग्रामीण के चेहरे में मुस्कान भी आ रहा है, कार्यक्रम में एमानुअल बास्के द्वितीय कमान अधिकारी (परिचालन)सीआपीएफ ए 62 बटालियन समवाय के कम्पनी कमाण्डर धर्मेन्द्र सिंह, सहायक कमान्डेड गांव के सरपंच सहित कई गांव के लोग शामिल हुये।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेगा लीगल सर्विस कैम्प का किया गया आयोजन

- संवाददाता -
बलरामपुर, 06 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेगा लीगल सर्विस कैम्प का आयोजन कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के निर्देशन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सिराजुद्दीन कुरैशी के मार्गदर्शन में किया गया। मेगा लीगल सर्विस कैम्प में 42 हितग्राहियों को शासन के योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया, साथ ही अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी भी दी गयी।

क्षेत्र के योग सेवक संजय गिरि योग ट्रेनिंग हेतु भोपाल के लिए चयनित

- संवाददाता -
खडगवा, 06 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

संजय गिरि वर्तमान मे नवगठित जिला मनेद्रगढ चिरमिरी भरतपुर के खडगवा विकास खंड के प्राथमिक शाला कदरेवा मे सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ हैं गिरि के इस प्रशिक्षण मे चयन पर जिला शिक्षा विभाग के विशेष कर्तत्व्य अधिकारी अजय मिश्रा ने प्रसन्नता व्यक्त की है विदित है कि गिरि पंतजलि योग समिति के जिला प्रभारी आर्ट लिविंग के युवाचार्य चिरमिरी आर्य समाज के प्रधान एवं छत्तीसगढ़ योग आयोग के मास्टर ट्रेनर के पव पर निःशुल्क योग कि सेवाएं देते रहते हैं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एनसीईआरटी के तत्वाधान में भोपाल क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में 7 नवंबर से 11 नवंबर तक पांच दिवसीय योग एवं शारीरिक शिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने क्षेत्र के विख्यात योग शिक्षक संजय गिरि 5 नवम्बर को भोपाल के लिए रवाना हुए है। ज्ञात हो कि इस योग प्रशिक्षण में राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद् रायपुर द्वारा पुर छत्तीसगढ़ राज्य से 15 योग शिक्षकों का चयन किया गया है। जिसमे सरगुजा संभाग से संजय गिरि केवल चयन हुआ है। इस प्रशिक्षण में भारत के पश्चिमी जोन भर के योग शिक्षक हिस्सा लेंगे। यह प्रशिक्षण स्कूल एवं अन्य शिक्षण संस्थानों में अध्ययन कर रहे बच्चों के योग प्रशिक्षण के लिए दिया जा रहा है। श्री गिरि ने इस प्रशिक्षण के आयोजन के लिए भारत सरकार व् राज्य सरकार को धन्यवाद दिया है।

5 माह बाद दुष्कर्म का आरोपी चढ़ा पुलिस हत्थे

- संवाददाता -
रामानुजगंज 06 अक्टूबर 2022 (घटती घटना)

बलरामपुर थाना अंतर्गत ग्राम डुमरखी में बलात्कार का आरोपी विगत 6 माह से फरार था जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड लेकर उसे जेल भेज दिया है। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थिया ने पुलिस को बताया कि दिनेश कुमार राम उर्फ गोडल लोहार पिता सुरेश कुमार राम जाति लोहार उम्र 30 वर्ष साकिन डूमरखी के द्वारा 24 मई 20-22 की रात्रि में 11:00 बजे के लगभग दरवाजे के ऊपर खाली पोर्शन में हाथ डालकर दरवाजे की चिटकिनी खोलकर घर के अंदर दाखिल हो गया और जबरदस्ती करने लगा शोर मचाने पर उसने जान से मारने की धमकी देते हुए मेरे साथ दुष्कर्म किया पुलिस ने आईपीसी की धारा 376,458,506 के तहत मामला दर्ज करते हुए उसे विवेचना में लिया तब से आरोपी फरार चल रहा था मुखबिर की सूचना पर आरोपी को उसके गृह ग्राम से ही गिरफ्तार करते हुए न्यायिक रिमांड पर उसे जेल भेज दिया गया है।

जिला स्तरीय मेगा लीगल सर्विस कैंप में 42 हितग्राही हुए लाभान्वित

- संवाददाता -
रामानुजगंज 06अक्टूबर 2022
(घटती घटना)

जिला मुख्यालय बलरामपुर में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेगा लीगल सर्विस कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें 42 हितग्राहियों को शासन के योजनाओं का लाभ प्रदान करतें हुए अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मधुसूदन चन्द्राकर ने संबोधित करते हुए कहा कि 21 अक्टूबर से 13 नवम्बर तक मेगा कैम्प का आयोजन किया जाना है। शासन की विभिन्न योजनाओं से आम नागरिकों को अवगत तथा लाभान्वित कराना है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा तीन प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, जिसमें निःशुल्क सहायता शिविर, लोक अदालत तथा विधिक साक्षरता शिविर है। मुख्य न्यायीक मजिस्ट्रेट पंकज आलोक तिर्की ने कहा कि मेगा कैम्प का आयोजन शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन का रूप है,अगर दूरस्थ क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है तो यह न्याय है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से कहा कि इस आधुनिक काल में महिलाओं को पुरूषों के समान अधिकार प्राप्त हैं, महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत कतलम ने कहा कि जिले में 14 थाने 7 चौकियां तथा 7 कैम्प संचालित है, इनके द्वारा प्रत्येग गांव में चलित थाना का संचालन कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस मेगा कैम्प के द्वारा आप लोगों से पुलिस प्रशासन को जुड़ने का मौका मिला है। उन्होंने हमर बेटी,हमर मान की जानकारी देते हुए कहा भारतीय कानून में महिलाओं को पर्याप्त कानूनी अधिकार प्राप्त है, इस ऐप के द्वारा महिलाएं अपने ऊपर हो रही अपराधों की जानकारी पुलिस को दे सकती हैं।

वही आयोजित कार्यक्रम में 04 दिव्यांगजनों को श्रवण यंत्र तथा 04 दिव्यांगों को मोटराइज्ड ट्रायसायकल प्रदान किया गया। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग द्वारा 05 हितग्राहियों को आयुष्मान हेल्थ कार्ड, शिक्षा विभाग द्वारा सरस्वती साइकिल वितरण योजनांतर्गत 09 छात्राओं को साइकिल, उद्यान विभाग द्वारा 05 हितग्राहियों को अनुदान स्वीकृति प्रमाण पत्र, खाद्य विभाग 04 हितग्राहियों को राशन कार्ड, कृषि विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को सरसों बीज का वितरण किया गया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर आर.एन.पाण्डेय,अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भरत कौशिक,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बसंत सिंह,जिला शिक्षा अधिकारी के.एल.महिलांगे,जिला खाद्य अधिकारी शिवेन्द्र काम्ठे,सहायक संचालक उद्यान पतराम सिंह पैकरा सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राएं,आम नागरिक व हितग्राही उपस्थित थे।

गौवंसों के गले में लगाया गया रेडियम बैल्ट दुर्घटना में हो कमीः अनुराग

अनुराग की पशु प्रेमिता के चर्चे हर घर तक, पिछले कई सालों में 3 हजार से ज्यादा लगाए रेडियम बैल्ट।

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 6 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)

गौवंस के दुर्घटनाओं में भारी गिरावट के लिए जारी है अनुराग का प्रयास।

गौ रक्षा वाहिनी के जिलाध्यक्ष अनुराग दुबे (अन्नू) द्वारा एक अभिनव पहल करते हुए कोरिया सहित एमसीबी जिले के नेशनल हाइवे सहित अन्य प्रमुख चौक चौराहों पर घूमने वाले लगभग 350 गौवंशों को रेडियम पट्टी बांधी। आपको बता दे कि गौ रक्षा वाहिनी के द्वारा पिछले 7-8 सालों से लगातार कोरिया जिले में गौवंशों की सड़को पर सुरक्षा की दृष्टिकोण से उनकी जानमाल की रक्षा के लिए विशेष अभियान चला कर समय - समय पर गौवंशों के गले मे चमकदार रेडियम पट्टी लगा रहा है।

गौरतलब हो कि यह रेडियम बैल्ट (पट्टी) सड़क पर घूमने वाले पशुओं को रात के अंधेरे में दुर्घटना का शिकार होने से बचाने के लिए लगाया जाता हैं। जिसे सामने की ओर से आने वाले वाहन चालक आसानी से देख सके और अपनी सहित गौवंश की भी रक्षा ही सकें।गौवंस में रेडियम बैल्ट (पट्टी) लगने की वजह से लगातार दुर्घटनाओं में कमी भी देखी जा रही हैं। गौ रक्षा वाहिनी के जिलाध्यक्ष अनुराग दुबे (अन्नू) ने बताया कि उनका यह अभियान लगातार आगे की सालों में भी चलता रहेगा। उनके इस कार्य मे उनके साथियों का भी भरपूर सहयोग मिलता हैं। श्री दुबे ने बताया कि उनके द्वारा अब तक पिछले कई सालों में लगभग 3000 से ज्यादा गौवंसों को रेडियम बैल्ट (पट्टी) लगाई गई। जिसके फलस्वरूप सैकड़ों गौवंसों की जान भी बचाई जा सकी हैं। यह भी बताते चले कि अनुराग दुबे द्वारा गौवंश के लिए रोटी बैंक चलाया है। जिसमें शहरों से रोजाना सुबह और शाम लोगों के घरों से रोटी का कलेक्शन ई-बैटरी रिक्शा के माध्यम से पहुचती हैं। जिसे गौवंसो को वो रौजाना वितरण करते हैं। साथ ही इनकी पशु प्रेमिता तब देखते बनती हैं जब यह आवारा कुत्तों के लिए बिस्किट का भी रौजाना वितरण करते हैं। इनके घर मे आवारा गौवंस की देखभाल भी की जाती हैं जिसे यह अपने की खर्चे पर वहन करते हैं।

08 साल की मासूम के साथ रेप:दुष्कर्म के बाद पीड़िता को दी धमकी;अस्पताल में बच्ची को गंभीर हालत में कराया गया भर्ती

- संवाददाता -
कोरबा, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले में शनिवार को एक 16 साल के नाबालिग लड़के ने 8 साल की बच्ची के साथ रेप किया। तीसरी क्लास में पढ़ने वाली बच्ची घटना के बाद डरी-सहमी घर पहुंची। तो बेटी के कपड़े खून से सने हुए देखकर परिजनों के होश उड़ गए।पूरी घटना बांगो थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। पीड़ित बच्ची शनिवार को सुबह जंगल में मवेशी चराने के लिए गई थी। पड़ोस का रहने वाला 16 वर्षीय लड़का भी था, जिसे वह बच्ची चाचा कहकर बुलाती थी। आरोपी ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म करके किसी से भी कुछ नहीं कहने से मना किया, और डराया-धमकाया। घटना के बाद डरी-सहमी बच्ची जैसे-तैसे घर पहुंची। पिता ने कहा कि जब वो और उसकी मां खेत से काम करके लौटे तो बेटी को देखकर हैरान हो गए, उसके कपड़े खून से लथपथ थे।पिता ने कहा कि बेटी बहुत डरी हुई थी। उन्हें बेटी के साथ कुछ गलत होने का अंदेशा हुआ। तब बच्ची की मां ने बेटी से पूछताछ की, लेकिन बच्ची डर के कारण कुछ बता नहीं पा रही थी।

बहुत पूछने के बाद उसने अपने साथ हुई घटना की जानकारी माता-पिता को दी। माता-पिता ने तुरंत डायल 112 को कॉल किया और उसे बांगो उप स्वास्थ्य केंद्र ले गए। बच्ची को प्राथमिक उपचार देने के बाद डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रवाना कर दिया।रात करीब डेढ़ बजे बच्ची को जिला अस्पताल कोरबा में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर है। बच्ची के पिता ने बताया कि उनकी 3 बेटियां हैं। सबसे छोटी बेटी को वे अपने साथ लेकर गए थे। बीच वाली बेटी घर में थी और ये सबसे बड़ी बेटी है, जिसके साथ जंगल में मवेशी चराने के दौरान घटना हुई। जिला अस्पताल चौकी प्रभारी रविन्द्र कुमार जनार्दन ने बताया कि जिला अस्पताल से उन्हें मेमो मिला है। केस डायरी कर बांगो थाने भेजा जाएगा। बांगो थाना पुलिस ने कहा कि उन्हें अभी घटना की जानकारी नहीं दी गई है। जैसे ही शिकायत मिलती है, वे जांच और कार्रवाई करेंगे। सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है, लेकिन पुलिस फिलहाल इसका खुलासा नहीं कर रही और जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है।

कठौतिया पंचायत के वन अधिकार पट्टा विलंब को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता अभिनव ने एसडीएम व कलेक्टर को लिखा पत्र

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 6 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप नवगठित जिला एमसीबी के कठौतिया पंचायत में पिछले कई दिनों से आवेदन के उपरांत भी वन अधिकार पट्टा ना मिलने के कारण सामाजिक कार्यकर्ता अभिनव पी द्विवेदी ने मनेन्द्रगढ़ एसडीएम अभिषेक कुमार और कलेक्टर पी एस धुव्र को पत्र लिखा है। दर असल ग्राम पंचायत कठौतिया के सचिव ने मोबाइल पर बात कर बताया कि वन अधिकार के पट्टे के लिए सबसे पहले संबंधित पटवारी के द्वारा नापी का कार्य किया जाता है और फिर नापी के बाद गठित समिति के पास फाईल ले जाकर सभी सदस्यों के हस्ताक्षर कराने होते हैं,इसके बाद ही फाईल आगे बढ़ती है। संबंधित ग्राम पंचायत सचिव ने बताया कि पिछले कई दिनों से पटवारियों के द्वारा नापी का कार्य पूर्ण ना किए जाने के कारण ही कार्य में विलंब हो रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता अभिनव पी द्विवेदी ने कलेक्टर पी एस ध्रुव और एसडीएम अभिषेक कुमार को पत्र लिखकर इस समस्या से अवगत कराया और संबंधित पटवारियों को एक निर्धारित समय सीमा में नापी का कार्य पूर्ण कराने का आग्रह किया। कलेक्टर ध्रुव ने कहा कि इस ओर से निरन्तर समीक्षा कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है?

मोटरसाइकिल व मोबाइल चोरी करने वाला आरोपी चंद घंटे में गिरफ्तार

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 6 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

थाना पोडी में प्रार्थी राकेश कुमार पिता स्वर्गीय रूपसाय निवासी हल्दीबाड़ी का रिपोर्ट दर्ज कराया की दिनांक 29.10.22 को पोड़ी ग्राउंड के पास नशे में शो गया था तब इसकी मोटरसाइकिल पैशन प्रो क्रमांक सीजी 16 सीई 1583 एवं जेब में रखा एक जिओ कंपनी का मोबाइल कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है करन उर्फ बबलू द्वारा चोरी करने का संदेह बताया घटना की जानकारी तत्काल पुलिस अधीक्षक टीआर कोशिमा जिला एमसीबी को अवगत कराया गया जिनके द्वारा तत्काल कार्यवाही कर चोरी के आरोपी को पकड़ने हेतु निर्देशित किया गया नगर पुलिस अधीक्षक पीपी सिंह के मार्गदर्शन में टीम बनाकर तत्काल आरोपी की पतासाजी की गई, काफी प्रयास कर बबलू उर्फ करन कुमार पिता स्वर्गीय हीरालाल उम्र 26 वर्ष निवासी पोड़ी को पकड़ा जाकर घटना के बारे में पूछने पर प्रार्थी का मोटरसाइकिल एवं एक जिओ कंपनी का मोबाइल चोरी करना बताया, जिसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल एवं मोबाइल सेट कीमती जिस की लगभग 20 हजार बरामद कर जप्त किया गया, आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय पेश कर जेल दाखिल किया गया उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी पोड़ी उप निरीक्षक सुनील सिंह प्रधान आरक्षक दानिश शेख, अशोक एकका आरक्षक मोहम्मद शहबाज, नियाजुउद्दीन आदि का सराहनीय योगदान रहा।

पुलिस ने 04 वर्षीय नाबालिक को चंद घंटों में खोज कर सौंपा परिजनों को

- संवाददाता -
कोरबा, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

रामपुर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से किया बरामद मां की लापरवाही से गुम हुई 4 वर्षीय नाबालिग बच्ची को बरामद कर रामपुर पुलिस ने परिजनों को वापस सौंपा है । पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह द्वारा नाबालिग बच्चों एवं महिलाओं से संबंधित मामलों में गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश सभी थाना चौकी प्रभारियों को दिया गया है । दिनांक 06.11.2022 को प्रातः 6? 00 बजे चौकी प्रभारी रामपुर उपनिरीक्षक कृष्णा साहू को सूचना मिला कि एक महिला जो इंदिरा गांधी शासकीय चिकित्सालय कोरबा के पास रहकर कबाड़ बीनने का काम करती है, कल रात्रि में अपने 04 वर्षीय बालिका के साथ नशे की हालत में निहारिका ए टू जेड महासेल के पास सो गई थी , सुबह करीब 5?00 बजे उठी तो उसकी बच्ची उसके पास नहीं थी । बच्ची के अपहरण होने या अनहोनी घटना होने के अंदेशा पर घटना की सूचना पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह को दी गई , संतोष सिंह

द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के नेतृत्व , नगर पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के पर्यवेक्षण में नाबालिग बच्ची को खोजबीन करने हेतु तत्काल टीम रवाना करने के निर्देश दिए गए । रामपुर पुलिस की टीम द्वारा ए टू जेड महासेल का सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर पाया कि मां के सो जाने पर 04 वर्षीय बालिका ए टू जेड महासेल से थोड़ी दूर पर जाकर रो रही थी जिसके हाथ में मोबाइल दिख रहा था , जहां पर 02 व्यक्ति आए और बच्चे को उठाकर ले गए । बच्ची की मां ने बताया कि बच्ची के हाथ में दिख रहा मोबाइल उसी का है , तकनीकी आधार पर नाबालिग बच्ची की खोज की गई द्व पाया गया कि बच्ची के रिश्तेदार रात्रि में ए टू जेड महासेल के रास्ते से गुजर रहे थे , जहां पर बच्ची को रोते हुए देखकर रुके बच्ची की मां नशे की हालत में सोई हुई थी तो सुरक्षा के दृष्टिकोण से बच्ची को अपने घर में ले जाकर सुला दिए थे । सुबह बच्ची को उसके घर पहुंचाने जाने वाले थे इसके पहले ही खोजते हुए पुलिस पहुंच गई । रिश्तेदारों ने बताया कि बच्ची की मां अक्सर इस तरह की हरकत करती है, इसलिए उन्होंने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी थी । बच्ची को बरामद करने में स उ नि दुर्गेश राठौर एवं आरक्षक ए हितेश राव का महत्वपूर्ण योगदान रहा है ।

ओवरलोड वाहनों पर 58600 रुपये का जुर्माना

- संवाददाता -
कोरबा, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह द्वारा दिए गए निर्देश एवं यातायात डीएसपी शिवचरण सिंह परिहार के मार्गदर्शन में लापरवाह और यातायात नियमों का उल्लंघन कर वाहन चालन करने वालों पर कार्यवाही की जा रही है। चक्का उठाकर एवं ओवरलोड सामान भरकर चालन करने वाले दो ट्रेलर वाहनों पर यातायात पुलिस ने कार्यवाही की है। यातायात थाने में पदस्थ एएसआई मालिक राम जांगड़े ने बताया कि ट्रेलर क्रमांक सीजी 10 बीजी 7862 एवं सीजी 10 बीजी 7867 को वाहनों की जांच पड़ताल के दौरान चक्के उठाकर एवं क्षमता से अधिक सामग्री लोड कर परिचालन करते पाया गया। विरुद्ध में की गई कार्यवाही की कड़ी में इन दोनों टेलर के चालकों पर 29300 रुपए का अलग-अलग समन शुल्क वसूला गया।

ट्रेलर क्रमांक 7862 के चालक तुगलक पिता मोहम्मद नईम उद्दीन 45 वर्ष एवं 7867 के चालक सफीक खान पिता बहाउद्दीन 42 वर्ष दोनों निवासी गढ़वा झारखंड के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

कोरबा पुलिस के आठ अधिकारी कर्मचारी चुने गए कॉप आफ द मंथ

- संवाददाता -
कोरबा, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह द्वारा जिले में प्रत्येक माह उल्लेखनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित करने के लिए कॉप ऑफ द मंथ की योजना शुरू की गई हैं। चुने गए कर्मचारियों को नगद इनाम, गुड सर्विस एंट्री व प्रशंसापत्र के साथ ही उनका फोटो पुलिस अधीक्षक कार्यालय सहित सभी थाना/चौकी के नोटिस बोर्ड पर पूरे माह के लिए लगा रहेगा। माह अक्टूबर 2022 में कॉप ऑफ द मंथ एएसआई इमरान खान, प्रधान आरक्षक गोविंद सिंह, आरक्षक नरेंद्र पाटन वार, विपिन कुमार नायक, राकेश कुमार जांगड़े, शैलेंद्र तंवर, रोहित कुमार रात्रे, अमित कुमार को चुना गया है । स. उ. नि. इमरान खान को नाबालिग बालिका को बरामदगी में उत्कृष्ट कार्य हेतु, प्र. आर. गोविंद सिंह को प्रतिबंधात्मक/लघु अधिनियम में प्रभावी कार्य हेतु, आरक्षक नरेंद्र पाटनवार को शिकायत निकाल में उत्कृष्ट कार्य हेतु, आरक्षक विपिन कुमार नायक को कटघोरा में उड़ाई गिरी में उत्कृष्ट योगदान हेतु, आरक्षक राकेश जांगड़े को कानून व्यवस्था एवं अपराध अनुसंधान में फोटोग्राफी हेतु, आरक्षक शैलेंद्र तंवर आपकारी एवं जुआ एक्ट में प्रभावी कार्यवाही हेतु, आरक्षक रोहित कुमार रात्रे सीसीटीएनएस कार्य में उत्कृष्ट योगदान हेतु, अमित कुमार अमित को दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन हेतु ऑफ़ द मंथ से सम्मानित किया गया है , इनके उत्साहवर्धन हेतु इन्हें माह अगस्त 2022 में कॉप ऑफ द मंथ में स्थान दिया गया है । इस तरह पुरस्कृत किए जाने से दूसरे पुलिसकर्मी भी अच्छा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

पुलिस अधीक्षक द्वारा स्पष्ट रूप से कहा गया है कि जनता से अच्छा व्यवहार ,जिम्मेदारी एवं निष्ठा पूर्वक कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को हमेशा सम्मानित किया जाएगा, वही अनुशासनहीन आचरण करने वाले पुलिसकर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही किया जाएगा । विगत एक माह में अच्छा कार्य करने वाले आठ अधिकारी कर्मचारियों को नगद इनाम एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया है। वहीं लापरवाही, उद्दंडता जिनके विरुद्ध शिकायत प्राप्त हुई है, उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव का नगर के प्रथम आगमन पर भाजपाइयों ने किया भव्य स्वागत

- संवाददाता -
लखनपुर, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव का 6 नवंबर दिन रविवार की दोपहर लगभग 1:30 बजे सरगुजा जिले के लखनपुर नगर पहुंचे जहां भाजपा पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं के द्वारा आतिशबाजी कर ढोल नगाड़े के साथ भव्य स्वागत किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के स्वागत के लिए नवापारा चौक पर वरिष्ठ भाजपा नेता सरगुजा अनिल सिंह मेजर, भाजपा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, सरगुजा प्रभारी ज्योति नंद दुबे, भारत सिंह सिसोदिया , पिछड़ा वर्ग प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी, सरगुजा पूर्व सांसद कमलभान सिंह,भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, भाजपा पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष राजेंद्र जयसवाल पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, सहित सभी बड़े बड़े नेता मौजूद रहे। स्वागत के लिए नवापारा पहुंचे सैकड़ों की संख्या में भाजपा पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। इस दौरान मांदर की थाप पर छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अरुण साहू थिरकते दिखे। स्वागत में भाजपा पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं ने स्वागत बाइक रैली नवापारा से निकाला लखनपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू के निवास पर स्वागत बाइक रैली सभा में तब्दील हो गई। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू, राजेश

अग्रवाल रामनारायण दुबे पार्षदों सहित साहू समाज के वरिष्ठ जनों के द्वारा फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात भाजपा नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। तो वही अरुण साव छत्तीसगढ़ सरकार पर जमकर बरसे और कहा कि यह छत्तीसगढ़ की लुटेरी सरकार है उन्होंने तंज कसते हुए आवंदे आवंदे दिल्ली पहुंचावनदे कह कर छत्तीसगढ़ सरकार पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि चुनौती तो है लेकिन उसका सामना करेंगे कार्यकर्ता काफी उत्साहित हैं उन्होंने कहा 2023 में छत्तीसगढ़ में फिर कमल खिलाएंगे तो वहीं भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू के निवास पर भोजन पश्चात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नगर के वार्ड क्रमांक 09 माता कर्मा चौक पहुंच माता कर्मा के मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें नमन किया इसके पश्चात अंबिकापुर के लिए रवाना हुए। इस दौरान अंबिकापुर पार्षद आलोक दुबे, प्रबोध मिंज, गोपाल सिन्हा , विजय अग्रवाल, हरविंद अग्रवाल,मंडल महामंत्री सतनारायण साहू, सुरेंद्र साहू, ज्वाहिर साहू, पार्षद पवन , पार्षद मालती कश्यप, पार्षद उर्मिला खलखो, कन्हैया साहू, मुनेश्वर राजवाड़े ,कमेंद्र राजवाड़े, दिनेश बारी, महेश्वर राजवाड़े, हर्षवर्धन पांडे, कपिल राजवाड़े, कामेश्वर रजवाड़े, महमूद खान, नसरत अली, मुकेश ठाकुर, अभिमन्यु सिंह,बंटी बारी, विनेश राम, सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एनटीपीसी कोरबा के कर्मचारियों ने सतर्कता की ली शपथ, स्कूल-कॉलेजों में अनेकों स्पर्धाओं का किया गया आयोजन

- संवाददाता -
कोरबा, 06 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सतर्कता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और भ्रष्टाचार मुक्त भारत की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एनटीपीसी कोरबा ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर रहढ़ है। सतर्कता की महत्वता को उजागर करते हुए सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ एनटीपीसी कोरबा के जीएम पीएम जेना ने किया। इसके बाद सभी कर्मचारियों ने सतर्कता की शपथ ली। दो दिनी कार्यशाला में कर्मचारियों के लिए वॉकाथॉन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। टाउनशिप की महिलाओं के लिए भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। किसी भी देश का भविष्य उसके बच्चे एवं युवा तय करते हैं। इसी दृष्टिकोण को सार्थक करने शहर के कमला नेहरू कॉलेज, सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जमनीपाली,सरकारी उच्च विद्यालय

गोपालपुर,शारदा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जमनीपाली,सरस्वती शिशु मंदिर प्रगति नगर,केन्द्रीय विद्यालय नंबर 2 तथा 4 में भ्रष्टाचार मुक्त भारत,पारदर्शिता,भ्रष्टाचार के दुष्प्रभाव विषयों पर निबंध, रंगोली,भाषण,चित्रकला,निबंध लेखन हुई। एनटीपीसी कोरबा के जीएम पीएम जेना ने बताया कि हम सतर्कता जागरूकता सप्ताह के माध्यम से लोगों को जागरूक कर के ये समझाने की कोशिश कर रहें हैं कि अगर कोई व्यक्ति अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदारी पूर्वक कार्य नहीं कर रहा है तो वो भी भ्रष्टाचार है। कहीं अगर कोई भ्रष्टाचार हो रहा तो उसका शिकायत तुरंत करें। शिकायतकर्ता का नाम गोपनीय रखा जाता है।

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

लखनपुर दिनांक 14/10/2022

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम लखनपुर
तहसील लखनपुर

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका दिलकुमारी आ0 स्व0 शिवदयाल निवासी ग्राम लखनपुर तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (दादी) स्व0 बिफ ईया की मृत्यु दिनांक 05/09/2010 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3)एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत् मृत्यु प्रमाण -पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 14/11/2022 को सूनवाई की जानी है। आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 14/11/2022 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

सील

तहसीलदार
तहसील-लखनपुर
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

संयुक्त जिला कार्यालय भू-तल, कक्ष क्रमांक G-3
Email ID-actwsurjpur@gmail.com, Telephone No.-07775-266083
(निविदा सूचना - द्वितीय आमंत्रण)
क्रमांक/2321/ आ.वि./निर्माण/न.क् 303/2022-23 सूरजपुर दिनांक 03/11/2022

छत्तीसगढ़ कार्य विभाग नियमावली 1983 आदिवासी विकास विभाग अंतर्गत सूरजपुर जिले में संचालित विभागीय छात्रावास/आश्रमों में लघु निर्णय कार्यों के लिए मुहरबंद निविदायें अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निम्नलिखित कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदार से लोक निमार्ण विभाग के वर्तमान में प्रचलित एसओआर आधार पर कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ.ग.) कें स्पीड पोस्ट के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है।

समय सारणी :-
1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन पत्र की अंतिम तिथि :- 21.11.2022 (अपरान्ह 05.30 बजे तक)
2. कोरे निविदा प्रपत्र लेने की अंतिम तिथि :- 24.11.2022 (अपरान्ह 05.30 बजे तक)
3. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि :- 30.11.2022 (अपरान्ह 05.30 बजे तक)
4. निविदायें खोलने की अंतिम तिथि :- 01.12.2022 (अपरान्ह 01.00 बजे तक)
5. निविदा प्रपत्र का मूल्य :- 750.00 रू (स.क्र.01 से 09तक) 300.00 रू. (स.क्र. 10 से 11 तक)
6. कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाकाल सहित) :- 03 माह

स. क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत लाख में	अमानत राशि (रू. में)
1	2	3	4
01	प्री. मैट्रिक कन्या छात्रावास खोरमा में छत प्लास्टर एवं एल्युमिनियम सेक्सन कार्य । विकास खण्ड प्रतापपुर।	2.30	3000.00
02	कन्या आश्रम खोरमा में अतिरिक्त कमरा में शेड लगाने का कार्य। विकास खण्ड - प्रतापपुर।	3.90	4000.00
03	कन्या आश्रम महेशपुर में शौचालय मरम्मत कार्य। विकास खण्ड-प्रेमनगर ।	2.56	3000.00
04	एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालस शिवप्रसादनगर में इन्टरलाकिंग पाथवे (350 मीटर) का निमार्ण कार्य। विकास खण्ड-भैयाथान।	6.87	7000.00
05	एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिवप्रसादनगर में सेप्टिक टैंक एवं सिवर लाईन का कार्य। विकास खण्ड भैयाथान।	9.40	10000.00
06	एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिवप्रसादनगर में शौचालय उन्नयन कार्य। विकास खण्ड-भैयाथान।	2.16	3000.00
07	एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिवप्रसादनगर में रिचार्जवेल, सोखता गढ़ा एवं सेनेटरी पाईप लाइन का कार्य। विकास खण्ड-भैयाथान।	4.44	5000.00
08	कन्या आश्रम केवरा में अहाता ऊँचीकरण कार्य। विकास खण्ड-प्रतापपुर।	7.00	7000.00
09	कन्या आश्रम शिवपुर में डाइनिग हाल में टाईल्स पुट्टी पेंटिंग दरवाजा रिपेयर खिड़की व रोशदान में एल्युमिनियम लगाने का कार्य। विकास खण्ड-रामानुजनगर।	11.00	11000.00
10	कन्या आश्रम तारा के अहाता में कंटीले तार लगाने का कार्य। विकास खण्ड- प्रेमनगर।	1.00	1000.00
11	कन्या आश्रम केंवरा के अहाता में कंटीले तार लगाने का कार्य। विकास खण्ड-प्रतापपुर।	1.00	1000.00

निविदा से संबंधित अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

जी नंबर 95542/1

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास सूरजपुर
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

CMYK

भगत और मनीषा ने पैरा बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीते

तोक्यो,06 नवंबर 2022। प्रमोद भगत और मनीषा रामदास ने रविवार को यहां बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप में अपने वर्गों के फाइनल मुकाबले जीतकर भारत की झोली में दो स्वर्ण पदक डाले।
भगत पहले कोर्ट पर उतरे, उन्होंने हमवतन नीतेश कुमार को पुरूष एकल एसएल3 वर्ग के 53 मिनट तक चले फाइनल में 21-19 21-19 से पराजित किया।
वहीं 17 वर्षीय मनीषा ने जापान की मामिको तोयोडा को 21-15 21-15 से हराकर महिला एकल एसयू5 वर्ग का स्वर्ण पदक जीतकर स्वप्निल पदार्पण किया।
पर भगत और मनोज सरकार की जोड़ी को पुरूष युगल एसएल3-एसएल4 वर्ग में रजत पदकसे संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी एक गेम की बढ़त गंवा बैठी और उन्हें इंडोनेशिया के हिकमत रामदानी और उकुन रूकाएंडी से 21-14 18-21 13-21 से हार मिली।

10 नवंबर को इंग्लैंड से होगा भारत का सामना

» जिम्बाब्वे पर दर्ज की 71 रनों की शानदार जीत

मेलबर्न,06 नवम्बर 2022। भारत ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए मुकाबले में एकतरफा जीत हासिल कर ली है। सुपर 12 के मुकाबले में जीत के साथ भारत ग्रुप 2 की तालिका में टॉप स्थान पर है। बता दें कि भारत पहले ही सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर चुका है। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अन्य टीमें इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान है। सेमीफाइनल में एडिलेड के ग्राउंड में भारत का सामना इंग्लैंड से होगा। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 71 रनों से ये मुकाबला जीता है।
टीम इंडिया के लिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम 17.2 ओवरों में 115 रनों के स्कोर पर ऑल आउट हो गई। मोहम्मद शमी और हार्दिक पांड्या ने मैच में दो-दो विकेट लिए। वहीं जिम्बाब्वे की ओर से रेयान बर्ल ने सार्वाधिक 35 रन बनाए। सिंकदर रजा ने 24 गेंदों का सामना करते हुए 34 रन बनाए। अर्शदीप सिंह ने प्रभावी गेंदबाजी की. उन्होंने 2 ओवरों में 9 रन देकर एक विकेट लिया। वहीं भुवनेश्वर कुमार ने एक मेडन ओवर भी निकाला।
इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान रोहित शर्मा जल्दी आउट हो गए लेकिन केएल राहुल ने 35 गेंदों में 51 रन बनाए। सूर्यकुमार ने 25 गेंदों में नाबाद 61 रन बनाए। शानदार फॉर्म में चल रहे विराट कोहली ने 25 गेंदों पर 26 रन बनाए। विराट एक बड़ा शॉर्ट लगाने की कोशिश में गेंद फील्डर को थमा बैठे। हार्दिक पंड्या को रिचर्ड नगरवा ने पवेलियन का रास्ता दिखा दिया है। उन्होंने 18 रन बनाए। आखिरी ग्रुप मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ 186/5 रनों का स्कोर खड़ा किया।

सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाली चौथी टीम बनी पाकिस्तान

» करो या मरो मुकाबले में बांग्लादेश को 5 विकेट से दी मात

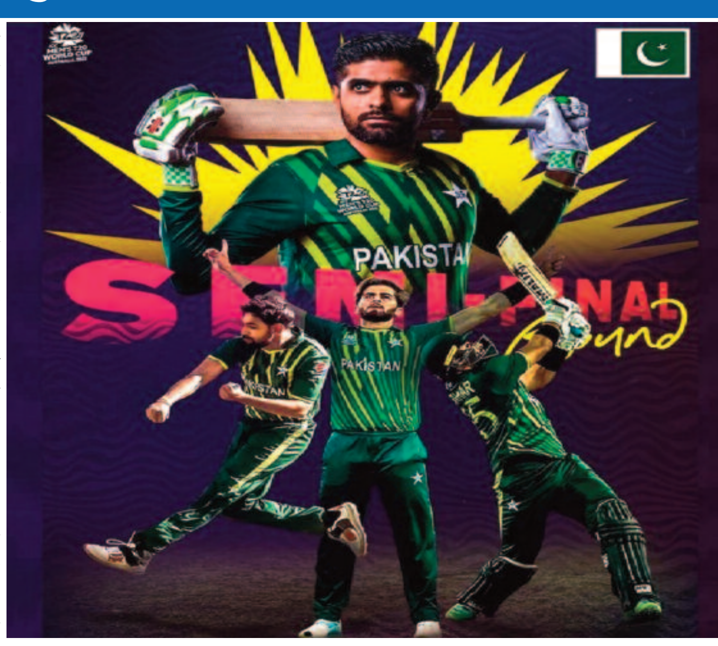

मेलबर्न,06 नवम्बर 2022। रविवार को एडिलेड ओवल में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर पाकिस्तान सुपर 12 ग्रुप 2 से 2022 टी 20 विश्व कप सेमीफाइनल में भारत के साथ शामिल हो गया है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच मुकाबले से पहले उसी स्थान पर एक रोमांचक मैच नीदरलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच देखने को मिला। जिसमें उलटफेर करते हुए नीदरलैंड ने अफ्रीकी टीम को 13 रनों से शिकस्त दे दी और फिर पाकिस्तान को अंतिम-चार चरण में जगह बनाने का सुनहरा मौका दे दिया। बाबर आजम की अगुवाई वाले पाकिस्तान के लिए यह उनका लगातार दूसरा सेमीफाइनल मैच होगा।
पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 127/8 के कुल स्कोर पर रोक दिया। शानदार गेंदबाजी करते हुए शाहीन अफरीदी ने चार विकेट लिए। मुश्किल पिच पर बायें हाथ के सलामी बल्लेबाज नजमुल हुसैन शांटो ने 48 गेंद में 54 रन की पारी खेली लेकिन बांग्लादेश की टीम अंत में रन नहीं जुटा सकी जिसमें अफरीदी के बाद पाकिस्तानी स्पिनरों ने विकेट झटके। लिटन दास के जल्दी आउट होने के बाद शांटो और सौम्य सरकार (20 रन, 17 गेंद, एक चौका, एक छक्का) ने दूसरे विकेट के लिये 47 गेंद में 72 रन की साझेदारी निभाकर बांग्लादेश के लिये अच्छी नींव रखी। इस समय ऐसा लग रहा था कि टीम 150 रन से ज्यादा का स्कोर बना लेगी लेकिन फिर शादाब खान (30 रन देकर दो विकेट) ने विकेट गिराने का सिलसिला शुरू किया। इस लेग स्पिनर ने दो गेंद में दो विकेट झटक लिये जिसमें बांग्लादेशी कप्तान शाकिबुल हसन का शून्य पर संदिग्ध डीआरएस आउट होना भी शामिल रहा।
जवाब में पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम ने अपनी धीमी शुरुआत से एक बार फिर अपने प्रशंसकों को निराश किया। रन बनाने के लिए संघर्ष कर रही इस जोड़ी ने पाकिस्तान के लिए 50 रन जोड़ने के लिए 57 रनों का इस्तेमाल किया। नसुम अहमद ने बाबर की पारी को 33 रन पर समाप्त किया। इसके तुरंत बाद, रिजवान ने अपने कप्तान का डगआउट में साथ दिया। आने वाले मोहम्मद नवाज ने भी 11 गेंदों में 4 रन बनाकर आउट होने से पहले संघर्ष किया। मोहम्मद हैरिस और शान मसूद ने बिना समय गंवाए और अपनी तेज हिटिंग के साथ लक्ष्य का पीछा किया और रन रेट को भी ऊपर लेकर गए। जीत से कुछ ही दूरी पर हैरिस ने एक आसान कैच दिया। मसूद ने आखिर में पाकिस्तान को पांच विकेट से जीत दिला दी।

स्काई एक कैलेंडर वर्ष में 1,000 टी20आई रन बनाने वाला पहला भारतीय बन गया

मेलबर्न,06 नवम्बर 2022। स्टार भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव रविवार को एक कैलेंडर वर्ष में 1,000 टी20आई रन बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। बल्लेबाज ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने पक्ष के अंतिम सुपर 12 चरण मैच में यह उपलब्धि हासिल की।
मैच में, सूर्यकुमार ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपना संपूर्ण परिष्करण स्पर्श किया कि भारत अपनी पारी को उच्च स्तर पर समाप्त करे। उन्होंने केवल 25 गेंदों में छह चौकों और चार छक्कों की मदद से 61* रन बनाए। वह 244.00 के स्ट्राइक रेट से स्ट्राइक कर रहे थे। इस साल 28 पारियों में सूर्यकुमार ने 44.60 की औसत से 1,026 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से एक शतक और नौ अर्धशतक निकले हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 117 है. ये रन 186.24 के स्ट्राइक रेट से आए हैं.
सूर्यकुमार टी20आई इतिहास में एक कैलेंडर वर्ष में 1,000 रन बनाने वाले केवल दूसरे खिलाड़ी हैं। 2021 में पाकिस्तान के विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने 73.66 की औसत से 1,326 रन बनाए। रिजवान ने उस साल 104* के स्कोर के साथ एक शतक और 12 अर्धशतक बनाए। जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत के मैच में आते हुए, मेन इन ब्लू ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद अपने 20 ओवरों में 186/5 का स्कोर बनाया। केएल राहुल (51) और विराट कोहली (26) ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की, लेकिन सीन विलियम्स (2/9) ने अपनी पारी से कुछ गति पकड़ ली। हालांकि, सूर्यकुमार यादव (61*) ने सुनिश्चित किया कि मेन इन ब्लू के लिए चीजें अच्छी हों।
सीन विलियम्स (2/9) जिम्बाब्वे के लिए गेंदबाजों की पसंद थे। रजा, मुजरबानी और नरवा ने एक-एक विकेट लिया। जिम्बाब्वे को जीत के लिए 187 की जरूरत है और उनकी पारी अभी जारी है।

धारावी बैंक से ओटीटी डेब्यू करेंगे सुनील शेट्टी

कई फिल्मों में अपनी छाप छोड़ चुके दिग्गज अभिनेता सुनील शेट्टी वेब सीरीज धारावी बैंक से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना डेब्यू करने वाले हैं। इस सीरीज से जारी हुए उनके लुक को शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। यह क्राइम ड्रामा सीरीज स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर पर प्रसारित होगी। अब मेकर्स ने इसका टीजर रिलीज कर दिया है। 50 सेकेंड का यह टीजर काफी दमदार है। इसमें सुनील एक्शन से लबरेज दिखे हैं।
अभिनेता सुनील ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर धारावी बैंक का टीजर शेयर किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, नई चीजों की खोज जारी रखनी चाहिए। इसलिए, यहां मैं ओटीटी की दुनिया में अपनी शुरुआत कर रहा हूं। दर्शकों का शुक्रिया, आप सभी ने हमेशा मुझे जो प्यार दिया है, उसके लिए धन्यवाद। फैंस टीजर देख कर अभिनेता पर अपना प्यार बरसा रहे हैं।
गोलियों की ताबड़तोड़ फायरिंग के साथ टीजर की शुरुआत होती है। इसके बाद थलाइवन के किरदार में सुनील की एंट्री होती है। सफेद लिबाज, लंबे बाल और दाढ़ी में सुनील का लुक आकर्षक लग रहा है। उन्हें धारावी के क्राइम के मास्टर माइंड के रूप में पेश किया गया है। अभिनेता विवेक ओबेरॉय जेसीपी जयंत गावस्कर नामक पुलिस वाले की भूमिका में दिखे हैं। उन पर अपराध को नियंत्रित करने का जिम्मा है।
जी स्टूडियोज ने इस सीरीज को प्रोड्यूस किया है, जबकि समित कक्कड़ इसके निर्देशक हैं। इसमें एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती (धारावी) की कहानी को दर्शकों के बीच लाया जाएगा। खास बात यह है कि इस सीरीज की शूटिंग भी धारावी में ही हुई है। इसे नवंबर में एमएक्स प्लेयर पर रिलीज किया जा सकता है। इसमें सोनाली कुलकर्णी, फ्रेडी दारूवाला, शांति प्रिया, सिद्धार्थ मेनन, चिन्मय मंडलेकर और समित कक्कड़ जैसे कलाकार दिखेंगे।

इंडो वेस्टर्न आउटफिट में रिया चक्रवर्ती का स्टनिंग अवतार, टोंड लेग्स देखकर फैंस हुए मदहोश

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती अपनी खूबसूरती और बोल्डनेस से फैंस पर बिजलियां गिराती रहती हैं। एक्ट्रेस की स्टनिंग तस्वीरों के लिए फैंस बेताब रहते हैं। वहीं, एक्ट्रेस का लेटेस्ट इंडो वेस्टर्न लुक देखकर फैंस मदहोश हुए हैं। उन्हें रिया का ये बोल्ड अंदाज काफी पसंद आ रहा हैं। रिया चक्रवर्ती ने दिवाली के अवसर पर अपनी स्टाइलिश तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने व्हाइट और येलो कलर की इंडो वेस्टर्न आउटफिट को पहन रखा है। जिसमें उनका लुक काफी स्टनिंग नजर आ रहा है। रिया चक्रवर्ती ने इस लुक में अपनी टोंड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। लाइट मेकअप के साथ एक्ट्रेस ने बड़े ईयरिंग्स कैरी कर रखी हैं। साथ ही बालों को खुला रखकर स्टाइलिश अंदाज दिया है। रिया चक्रवर्ती फिल्मों में भले ही कम एक्टिव दिखाई देती हों, लेकिन सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस धमाल मचाए रहती हैं। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को इस आउटफिट में देखकर फैंस उन्हें गजब की बला बता रहे हैं। एक्ट्रेस इस आउटलुक में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। वहीं, फैंस उनकी तस्वीरों को जूम करके देख रहे हैं। रिया चक्रवर्ती फिल्म एक्ट्रेस हैं लेकिन फिल्मी करियर उनका कुछ खास नहीं रहा। साथ ही दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत केस के बाद उन्हें फैंस की काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 3 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

तेलुगु स्टार सुधीर बाबू की अखिल भारतीय फिल्म का शीर्षक हारोम हारा

निर्देशक ज्ञानसागर द्वारका की आगामी फिल्म, जिसमें अभिनेता सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में हैं, का शीर्षक हारोम हारा रखा गया है। इसके निर्माताओं ने सोमवार को इसकी घोषणा की। यह सुधीर बाबू की 18वीं फिल्म होगी और इसका निर्माण एसएससी (श्री सुब्रह्मण्येश्वर सिनेमाज) के बैनर तले सुमंत जी नायडू द्वारा किया जा रहा है। दीद्वारका को उनकी पहली फिल्म, युवा मनोरंजनकर्ता सेहरी के लिए जाना जाता है। हारोम हारा शीर्षक के साथ, निर्माताओं ने टैगलाइन, द रिवोल्ट भी जारी किया। सूत्रों का कहना है कि, जहां शीर्षक आध्यात्मिक प्रतीत होता है, वहीं टैगलाइन कहानी के बदले पहलू का खुलासा करती है।फिल्म की कहानी 1989 में चित्तूर जिले के कुप्पम की है। इसमें सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर, जगदम्बा टॉकीज और एक रेलवे स्टेशन जैसे लोकप्रिय स्थानों को दिखाया गया है। वीडियो सुधीर बाबू को पहले कभी नहीं देखे गए सामूहिक अवतार में प्रस्तुत करता है। ऐसा लगता है कि अभिनेता ने फिल्म के लिए पूरी तरह से मेकओवर किया है। चैतन भारद्वाज का बैकग्राउंड स्कोर उपयुक्त है। अरविंद विश्वनाथन ने फिल्म के छायांकन को संभाला है, जबकि रमेश कुमार इसे प्रस्तुत करते हैं। हारोम हारा तेलुगू, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में अखिल भारतीय स्तर पर रिलीज होगी।

7 अप्रैल को रिलीज होगी रवि तेजा की 'रावनासुर'

निर्देशक सुधीर वर्मा की आगामी एक्शन थ्रिलर 'रावनासुर', जिसमें अभिनेता रवि तेजा मुख्य भूमिका में हैं, अगले साल 7 अप्रैल को दुनिया भर में प्रदर्शित होगी। अभिषेक नामा की अभिषेक पिक्च र्स और आरटी टीमवर्क्स द्वारा बड़े पैमाने पर बनाई गई इस फिल्म में पांच अभिनेत्रियां अनु इमैनुएल, मेघा आकाश, फारिया अब्दुल्ला, दक्षा नागरकर और पूजा पोनदा होंगी।
अभिनेता सुशांत ने भी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसके निर्माताओं ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है।
वर्मा फिल्म में पहले कभी नहीं देखी गई भूमिका में तेजा पेश कर रहे हैं। तेजा ने फिल्म में एक वकील की भूमिका निभाई है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह एक्शन से भरपूर है।हर्षवर्धन रामेश्वर और भीम मिलकर फिल्म के लिए संगीत प्रदान करते हैं, जबकि विजय कार्तिक कन्नन छायांकन संभालते हैं और श्रीकांत संपादक हैं।

अब छत्तीसगढ़ में बनेगा एक और जिला!

» उपचुनाव के ऐलान के साथ भानुप्रतापपुर के लोगों के मन में जागी ललक, लंबे समय से है जिले की मांग

» सीएम भूपेश बघेल ने खैरागढ़ उपचुनाव के दौरान खैरागढ़ छुई खदान गंडई जिला बनाने का ऐलान किया था। अब भानुप्रतापपुर अंतागढ़ पखांजूर जिला बनाने के लिए चौक-चौराहों में छिड़ी चर्चा...

रायपुर/कांकेर,06 नवम्बर 2022। भानुप्रतापपुर जिला बनेगा। क्या भानुप्रतापपुर भी जिला बनेगा। क्या भानुप्रतापपुर अंतागढ़ और पखांजूर को मिलाकर जिले का ऐलान किया जा सकता है। ये ऐसे सवाल हैं जो उपचुनाव के ऐलान के साथ लोगों के मन में हैं। या कहें कि लोगों के मन से बाहर आकर चौक-चौराहों, ठेले-गुमटियों में चर्चा में आ गए हैं। भानुप्रतापपुर, अंतागढ़ और पखांजूर के लोगों की जिला बनाने की पुरानी मांग रही है, इसलिए कह सकते हैं कि उनकी यह ललक भी जाग गई है। इसके पीछे जो कारण है, वह आप जानते हैं कि खैरागढ़ उपचुनाव के दौरान सीएम भूपेश बघेल ने खैरागढ़ छुईखदान गंडई को जिला बनाने का ऐलान किया था, इसलिए लोग इस उम्मीद से हैं कि चुनाव के दौरान सरकार जिला बनाने का ऐलान कर सकती है।

भानुप्रतापपुर ही रह गया जिला बनने से

जानकारी के मुताबिक अविभाजित बस्तर जिले में आठ तहसीलें थीं। यह छत्तीसगढ़ राज्य बनने से भी 15-20 साल पहले 80 के दशक की बात है। इनमें भानुप्रतापपुर के अलावा कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर, जगदलपुर, दंतेवाड़ा, कोंटा और बीजापुर शामिल हैं। नाम पढ़कर ही आपको यह पता चल गया होगा कि ये सभी अब जिले हैं। (कोंटा सुकमा जिले में आता है।) भौगोलिक की दृष्टि से भी भानुप्रतापपुर बड़ा है। यह भी तर्क है कि कई जिले ऐसे हैं, जहां सिर्फ 2-3 ब्लॉक हैं। भानुप्रतापपुर को जिला बनाने की स्थिति में या संयुक्त जिला बनाने की स्थिति में भी भानुप्रतापपुर, अंतागढ़, कोयलीबेड़ा, दुर्गकोंदल के अलावा पखांजूर यानी पांच ब्लॉक हो सकते हैं।

एडीएम और एएसपी की भी नियुक्ति भानुप्रतापपुर और अंतागढ़ में एडिशनल एसपी की नियुक्ति है। वहीं, अंतागढ़ में एडिशनल एसपी के साथ एडिशनल कलेक्टर की भी नियुक्ति की जा चुकी है। भानुप्रतापपुर फॉरेस्ट के लिहाज से

ईस्ट और वेस्ट डीएफओ का मुख्यालय है। एडीजे कोर्ट है। कई और विभागों के बड़े दफ्तर संचालित हो रहे हैं। इनमें बिजली, कृषि, जेल, पीडब्यूडी, सिंचाई, पीएचई आदि शामिल हैं।

वन व खनिज संपदा की प्रचुर भानुप्रतापपुर भौगोलिक ही नहीं, बल्कि खनिज और वन संपदा के हिसाब से भी समृद्ध है। जानकारी के मुताबिक यहां के तेंदूपत्ता की क्वालिटी काफी अच्छी है, इसलिए कई राज्यों में मांग रहती है। अमचूर, चिरौंजी की भी काफी मांग रहती है। इसके अलावा लौह अयस्क खदानें हैं। सीएमडीसी भैंसाकन्हार, हाहालद्दी, चेमल, मेटाबोदली माइंस संचालित हो रहे हैं। इस तरीह से देखा जाए तो यह कमाई जिला हो सकता है।

सड़क के साथ रेल सेवा भी उपलब्ध

बस्तर संभाग का यह क्षेत्र सड़क और रेल नेटवर्क से जुड़ा है। इसके विपरीत दूसरे पक्ष पर ध्यान दें तो कांकेर जिला मुख्यालय के हिसाब से कोयलीबेड़ा के अलावा बांदे क्षेत्र के लोग 150 किलोमीटर दूर हैं। भानुप्रतापपुर को जिला मुख्यालय मानकर यदि अंतागढ़, कोयलीबेड़ा, दुर्गकोंदल या पखांजूर की दूरी देखें तो सभी 35 से 80 किलोमीटर के दायरे में है। राजनीतिक रूप से भी भानुप्रतापपुर का महत्व रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद अजीत जोगी सरकार में मनोज मंडावी सबसे पॉवर फुल मंत्री थे, जिनके पास कई विभाग थे। भाजपा के देवलाल दुग्गा एसटी आयोग के अध्यक्ष थे। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष होमल हुपेंडी भी इसी क्षेत्र के हैं।

यह चुनाव दोनों दलों के लिए इसलिए महत्वपूर्ण

भानुप्रतापपुर का उपचुनाव कांग्रेस और भाजपा दोनों के लिए ही काफी महत्वपूर्ण है। छत्तीसगढ़ में अब तक हुए उपचुनावों में (कोटा छोड़ दें तो) सत्ता पक्ष की ही जीत हुई है। ऐसे में कांग्रेस के लिए किसी तरह चिंता की बात नहीं है। फिर भी भानुप्रतापपुर के उपचुनाव पर राजनीतिक पंडितों की नजर है। ऐसा इसलिए क्योंकि उपचुनाव का परिणाम सालभर बाद होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी असर डालेगा। भाजपा में रणनीतिकार यह जानते हैं कि उपचुनावों में जीत आसान नहीं है, इसलिए हार से विधानसभा चुनाव की तैयारी पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन जीत होने पर संजीवनी साबित होगी। कार्यकर्ता रीचार्ज हो जाएंगे। यही वजह है कि सीएम भूपेश बघेल ने जिस तरीके से खैरागढ़ को जिला बनाने का ऐलान कर मास्टर स्ट्रोक खेला था, उसी तरह भानुप्रतापपुर को भी जिला बनाने का ऐलान किया जा सकता है।

256 मतदान केंद्र, जिनमें सिर्फ 17 शहरी, बाकी ग्रामीण भानुप्रतापपुर विधानसभा सीट में 256 मतदान केंद्र हैं। इनमें 17 शहरी और 239 ग्रामीण हैं। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के मुताबिक हर केंद्र में अधिकतम 1500 मतदाता रहेंगे। यहां मतदाताओं की संख्या 197535 है। इनमें 96007 पुरुष और 101528 महिला मतदाता हैं।

9 नवंबर तक जमा करने होंगे आग्नेय अस्त्र-शस्त्र,

कांकेर, 06 नवम्बर 2022। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-80 भानुप्रतापपुर के उप निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए संपूर्ण कांकेर जिला के सीमा क्षेत्र के भीतर रहने वाले समस्त लाइसेंसियों को अपने-अपने आग्नेय अस्त्र-शस्त्र नजदीकी पुलिस थाना में 09 नवंबर तक जमा करने के लिए निर्देशित किया गया है। यह आदेश इस जिले में निवासरत बाहर जिले के आयें लाइसेंसियों पर भी लागू होगा। सभी लाइसेंसी 10 दिसम्बर 2022 के बाद अपने अस्त्र-शस्त्र वापस प्राप्त कर सकेंगे। इस आदेश से समस्त मान्यता प्राप्त बैंकों के सुरक्षा गार्ड, राष्ट्रीय राइफल संघ व जिला राइफल संघ तथा इस जिले के औद्योगिक संस्थानों एवं शैक्षणिक संस्थाओं पर सुरक्षा हेतु तैनात सुरक्षा गार्ड मुक्त रहेंगे। लेकिन वे लोग अपने अस्त्र-शस्त्र की सूचना संबंधित थाने में अवश्य देंगे तथा अपने अस्त्र-शस्त्र बिना थाना प्रभारी की अनुमति के अपने परिसर की सीमा क्षेत्र से बाहर नहीं ले जा सकेंगे।

जनजातीय बाजार हाटुम बना लोगों के आकर्षण का केंद्र

» मोबाइल के दुष्प्रभाव को रोकना होगा। इससे बचपन खत्म हो रहा है।

रायपुर 06 नवम्बर 2022। छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा यूनिसेफ और विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बच्चों के हित संरक्षण के लिए नई पहल करते हुए पहली बार जिलों के किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण समितियों के अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और जिला बाल संरक्षण इकाई को एक मंच पर लाया गया। इससे संस्थाओं द्वारा किये जाने वाले कार्यों में तेजी और स्पष्टता आएगी। बाल संरक्षण आयोग द्वारा आज नया रायपुर रोड स्थित होटल में पहली त्रैमासिक समीक्षा बैठक सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष श्री गौतम भादुड़ी, छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष तेजकुंवर नेताम, यूनिसेफ के राज्य प्रमुख श्री जॉब जकारिया, आईजी पुलिस डॉ. संजीव शुक्ला और महिला एवं बाल विकास विभाग के विशेष सचिव श्री पोषण चंद्राकर भी उपस्थित थे। बैठक में किशोर न्याय अधिनियम (बालकों की देखरेख और संरक्षण) 2015 तथा पॉक्सो एक्ट (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम) 2012 और उनके प्रावधानों के क्रियान्वयन, उन्हें लागू करने में आने वाली दिक्कतों पर चर्चा की गई। चर्चा के दौरान लंबित मामलों के निराकरण के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए। बैठक में न्यायाधीशों और अधिकारियों ने बच्चों के हितों के संरक्षण के लिए बजट के सीधे प्रवाह, किशोर न्याय बोर्ड में वीडियो कांफ्रेसिंग सुविधा, पुलिस द्वारा समय पर चालान प्रस्तुत करना, पीड़ित की पहचान उजागर न करने जैसे कई सुझाव दिए।

तेजकुंवर नेताम ने कहा कि बच्चों को उनका पूरा अधिकार दिया जाना चाहिए। सुरक्षा, शिक्षा और सुपोषण हर बच्चें का अधिकार हैं। बच्चों की सुरक्षा और सुपोषण के लिए राज्य सरकार ने व्यवस्था की है, लेकिन इसके लिए समाज को भी आगे आना होगा। बेटियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने बच्चों में बढ़ते मोबाइल और मादक पदार्थो के नशे पर नियंत्रण के लिए न्यायाधीश श्री भादुड़ी से अनुरोध किया। न्यायाधीश भादुड़ी ने बच्चों के हित के लिए कार्य कर रही सभी संबंधित संस्थाओं और इकाईयों को साथ लाने के लिए बाल संरक्षण आयोग की सराहना की और आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा कानून बनाए गए है लेकिन उसका लाभ भी लोगों तक पहुंचना चाहिए। पहले नैतिक कहानियों की प्रेरक पुस्तकें बच्चों के हाथ में होती थी। अब उसका स्थान मोबाइल ने ले लिया। मोबाइल के दुष्प्रभाव को रोकना होगा। इससे बचपन खत्म हो रहा है। उन्होंने न्यायाधीशों और संबंधित अधिकारियों से कहा लोगों की समस्या के निराकरण के लिए आगे बढ़े और नए रास्ते तैयार करें।

जॉब जकारिया ने कहा कि बच्चों का अधिकार सुरक्षित करना हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए व्यवहार और सोच में परिवर्तन का होना जरूरी है। बच्चों का अधिकार संरक्षण करने के लिए बड़ा निवेश होना चाहिए। बैठक के द्वितीय सत्र में जिलों के किशोर न्याय बोर्ड में लंबित प्रकरणों की जिलेवार समीक्षा की गई। इस दौरान न्यायिक अधिकारियों, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, विशेष किशोर पुलिस इकाई और बाल कल्याण समितियों के अधिकारियों द्वारा अपने जिलों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बच्चों से संबंधित प्रकरणों की जानकारी दी गई।

बच्चे के काटने से नाग सांप की मौत

» दीपक की तो जान बच गई,लेकिन कोबरा तड़प-तड़प के मर गया

जशपुर 06 नवम्बर 2022। छत्तीसगढ़ के जशपुर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां आंगन खेल रहे बच्चे को कोबरा सांप ने काट लिया। जिसके बाद बच्चे को बहुत दर्द हुआ, लेकिन उसी दर्द में बच्चे ने भी कोबरा को 2-3 बार काट लिया। जिसके बाद बच्चा तो इलाज के बाद ठीक हो गया लेकिन कोबरा की तड़पते हुए मौत हो गई।

सांप के काटने के बाद मौत की आगोश से वापस आने वाले 10 साल के दीपक ने बताया, वह अपनी बहन के साथ आंगन में खेल रहा था, तभी अचानक पीछे से सांप आ गया और उसके पीठ पर चढ़ गय।सांप ने काटा तो उसे गुस्सा आ गया और तत्काल उसने भागते हुए सांप को पकड़ा और फिर उसे अपने दांतों से जगह-जगह काट दिया। इस आश्चर्यजनक पहलू पर जशपुर जिले के सर्प विशेषज्ञ डॉ. केसर हुसैन ने बताया कि सांप काटने के दौरान शरीर में जहर छोड़ देता है, लेकिन इस मामले में शायद सांप ने बच्चे को काटने के बाद अपना जहर नहीं छोड़ा था। ऐसे मामलों में सांप काटने वाले की जान बच जाती है और कुछ लोग यह मानते हैं कि उसका इलाज या झाड़फूक से जान बच गई। जबकि सच्चाई यह होती है कि सांप ने काटा जरूर, लेकिन उसने जहर नहीं छोड़ा।

ईडी ने रायपुर दफ्तर में अफसरों की संख्या बढ़ाई

रायपुर 06 नवम्बर 2022। मनी लॉड्रिंग और कोयले पर लेवी को लेकर ईडी की जांच लगातार जारी है। पिछले तीन-चार दिनों से आईएएस अफसरों, और खनिज विभाग के अधिकारियों से पूछताछ के बाद ईडी ने अब कारोबारियों को तलब किया है। उनमें से कुछ को हिरासत में लिए जाने की भी खबर है। सूत्रों के अनुसार इस कार्रवाई के लिए ईडी ने रायपुर में अपने अफसरों की संख्या बढ़ा दी है। इस समय ईडी के 80 अधिकारी तैनात हैं।

सूत्रों के मुताबिक ईडी ने हीरा ग्रुप के एक डायरेक्टर सिद्धार्थ अग्रवाल, कोयला कारोबारी विजय राजेश अग्रवाल, महावीर कोलवाशरी लाइजनिंग कारोबारी विक्की जैन से भी पूछताछ कर रही है। इनके अलावा एक अन्य टीएमटी सरिया के कारोबारी को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। सूत्रों के मुताबिक विजय राजेश अग्रवाल की एक और फर्म हिन्द एनर्जी के नाम से संचालित है। कोरबा, और रायगढ़ कलेक्टोरेट के खनिज शाखा में मिले दस्तावेज, और अधिकारी-कर्मचारियों से पूछताछ में मिली जानकारी के हवाले से इन कारोबारियों से पूछताछ की जा रही है। इसी सिलसिले में ईडी ने शनिवार को खनिज संचालनालय के एक संयुक्त संचालक से भी पूछताछ की गई है। इनसे कोयले पर प्रतिटन 25 रूपए की लेवी के दस्तावेजों को लेकर ईडी ने जानकारी ली। इसी तरह से ईडी ने महासमुंद के एक कारोबारी, और एक अधिवक्ता से भी बुधवार को पूछताछ की.

कांग्रेस की गमला संस्कृति का नया नमूना पेश:भाजपा

रायपुर 06 नवम्बर 2022। सांसद सुनील सोनी ने फंड का दुरुपयोग कर अपने लोगों को फायदा पहुंचाने, नियमों का उल्लंघन कर विकास के नाम पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि तेलीबांधा से वीआईपी रोड पर डिवाइडर सजाने संवारने के नाम पर दो करोड़ रुपए का खेल किया गया है। जब काम लगभग हो गया है तब नगरनिगम ने इसका टेंडर जारी किया है। निविदा सूचना बता रही है कि निविदा प्रपत्र 9 नवंबर से दिए जाएंगे। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 16 नवंबर है। इसी दिन टेंडर खोला जाएगा। अब सवाल यह है कि जब काम निबट गया है तो इसी काम का टेंडर कैसे दिया जा सकता है? काम होने के बाद निविदा सूचना जारी होना भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा प्रमाण है। राजधानी की जनता और शहर से नई राजधानी जाने वाले जिम्मेदार लोग माह भर से डिवाइडर पर गमले बनते देख रहे हैं।

यह काम जैसा भी हो रहा है, वह पूर्णता पर है। तब उसकी टेंडर प्रक्रिया सामने आ रही है, इससे बड़ा नमूना और क्या हो सकता है? सांसद सुनील सोनी ने कहा कि गमला संस्कृति से कांग्रेस का पुराना नाता है। इसके बड़े नेता पी. चिदम्बरम गमले में करोड़ों रुपए की गोभी उगाने का चमत्कार दिखा चुके हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग की संदिग्ध कार्यप्रणाली ने उलझाया नाबालिग से दुष्कर्म का मामला : रमशीला साहू

रायपुर 06 नवम्बर 2022। राजधानी रायपुर के माना एसओएस बालिका गृह नामक बाल आश्रम में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में ¬ पूर्व मंत्री रमशीला साहू ने कांग्रेस सरकार की संदिग्ध कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है। पूर्व मंत्री जी कहती है यह बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि राजधानी में बालिका सुधार गृह में इस तरह घटना निकलकर सामने आती है। उससे भी अधिक दुर्भाग्य जनक है महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारियों द्वारा मामले की लीपापोती करना और उसे दबाया जाना। पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री रमशीला साहू ने महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया को आड़े हाथो लेते हुए कहते है कि राजधानी में इतनी बड़ी वारदात हो जाती है और मंत्री जी कहती है उनके संज्ञान में नहीं। यह शर्मनाक है। अधिकारी कुछ कहते है। पुलिस कुछ और कहती है और जांच

रिपोर्ट में कुछ और ही सामने आता है। पीड़िता को अभी तक वही रखा जाता है जहां उसके साथ दुष्कर्म हुआ था और उससे भी दबावपूर्ण बयान दिलवाए जाते है। इस घटना ने कांग्रेस सरकार की बेटियों और महतारियों के प्रति कार्यप्रणाली की पोल खोल दी है। पूर्व मंत्री ने पूरे घटनाक्रम को लेकर कई गंभीर सवाल पूछे है। पहला, जिस महिला एवं बाल विकास विभाग के बाल संरक्षण इकाई ने मामले को दबा कर रखा था। उन पर अभी तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई है? दूसरा, संदर्भित एनजीओ पर अभी तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई? तीसरा, वे कौन लोग है जिन्हे बचाने के लिए पूरे मामले की रोज लीपापोती की जा रही है। जिस स्थान पर बालिका के साथ बलात्कार हुआ अभी तक उसे उसी स्थान पर क्यों रखा गया है क्या पीड़िता को दबाव में रखना चाहती है सरकार? पीड़िता के बच्चे व आरोपी के डीएनए रिपोर्ट मैच नहीं होने के बाद यह साफ है कि मामले में और लोग भी संलिप्त है। इसके बाउजूद भी सामूहिक दुष्कर्म के नजरिए से इसकी जांच क्यों नहीं जा रही क्यों बाकी लोगो को गिरफ्तार नहीं किया जा रहा? पूर्व मंत्री एवं रमशीला साहू ने कहा कांग्रेस सरकार इसी कार्यप्रणाली से कार्य करती रही तो नाबालिक को न्याय कभी नहीं मिल सकता। बेटियों की दुर्दशा इस सरकार में चरम पर है।

भाजपा ने भानुप्रतापपुर उपचुनाव के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की

रायपुर 06 नवम्बर 2022। छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल भानुप्रतापपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए भाजपा ने चार सदस्यीय पर्यवेक्षकों की टीम बनाई है। यह टीम प्रत्याशी चयन के संबंध में स्थानीय पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं से रायशुमारी करेगी। इस टीम की ओर से जिन नामों की अनुशंसाएं आएंगी, उसके आधार पर चुनाव समिति की बैठक होगी और केंद्रीय समिति को तीन नामों का पैनल भेजा जाएगा। आगे पढ़ें, किन्हें बनाया गया पर्यवेक्षक.इधर, भानुप्रतापपुर उपचुनाव के संबंध में कल कांग्रेस की अहम बैठक

भानुप्रतापपुर उपचुनाव के संबंध में सोमवार को कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण बैठक होगी। इसमें शामिल होने के लिए पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम बाइरोड पहुंचेंगे। वे राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ा यात्रा में तेलंगाना में हैं। 7 नवंबर को भारत जोड़ो यात्रा महाराष्ट्र में प्रवेश करेगी। राहुल गांधी 10 व 18 नवंबर को दो रैलियों को संबोधित करेंगे।

इधर, पीसीसी अध्यक्ष मरकाम बाइरोड भानुप्रतापपुर पहुंचेंगे और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। 5 नवंबर को निर्वाचन आयोग ने भानुप्रतापपुर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान किया है। इसके बाद यह पहली चुनावी बैठक होगी। इसमें कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव की रणनीति के संबंध में चर्चा होगी। फिलहाल कांग्रेस ने अधिकृत तौर पर प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है, लेकिन डिप्टी स्पीकर रहे स्व. मनोज मंडावी की पत्नी सावित्री मंडावी का नाम तय माना जा रहा है। सावित्री ने सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया है।

सरकार किसानों की खुशहाली के लिए कार्य कर रही है

खेती-किसानी को मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकता :डॉ. शिवकुमार डहरिया

रायपुर 06 नवम्बर 2022। प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ शिवकुमार डहरिया ने कहा है कि किसानों और खेती को मजबूत बनाना हमारी सरकार की प्राथमिकता में शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में सरकार किसानों की खुशहाली के लिए कार्य कर रही है। सरकार ने किसानों की बेहतरी के लिए अनेक फैसले लिए हैं। किसानों के अल्पकालीन कर्ज माफी, किसानों के जलकर माफी जैसे अनेक जनहितैषी फैसले लिए हैं।

डॉ. डहरिया ने कहा कि खेती-किसानी की मजबूती के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत किसानों को इनपुट सब्सिडी दी जा रही है। इससे खेती-किसानी का रकबा बढ़ने के साथ-साथ ऐसे किसान जो खेती छोड़ चुके थे, वे भी अब खेती-किसानी से जुड़ने लगे हैं।

डॉ. डहरिया आज आरंग कृषि उपज मंडी में आयोजित वृहद सहकारी किसान सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अभनपुर क्षेत्र के विधायक श्री धर्मेन्द्र साहू ने की।

डॉ डहरिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश सरकार गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। गांव गरीब और किसान की खुशहाली के लिए काम करते रहना ही हमारी सरकार का ध्येय है। पिछले चार वर्ष में किसान हितैषी अनेक फैसले लिए गए। किसानों को ऋण के बोझ से मुक्त करने हेतु ऐतिहासिक निर्णय लिया गया।

उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य में धान खरीदी के साथ-साथ किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना में इनपुट सब्सिडी दी जा रही है। इससे किसानों का मनोबल बढ़ा है। खेती-किसानी भी अब फायदा का सौदा साबित हो रहा है। गोधन न्याय योजना प्रारंभ कर पशु पालको एवं गोबर विक्रेतओं से 2 रूपये प्रति किलो की दर से गोबर खरीदी की जा रही है। गोबर से वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने के काम में ग्रामीणों और महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि विगत चार वर्षो में आरंग क्षेत्र के करीब 49 हजार 840 किसान भाईयों का कुल 74 लाख 10 हजार 592 क्विंटल धान की खरीदी किया गया। किसानों को 01 लाख 85 हजार 264 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया है।

इसी प्रकार छत्तीसगढ़ शासन ने कृषकों का ऋण माफ कर बड़ी राहत प्रदान की है इसी कड़ी में आरंग विकासखण्ड में 26 हजार 558 किसानों का 8256 लाख रूपये का कर्जमाफ किया गया है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मंत्री डॉ डहरिया का जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम को अभनपुर विधायक धनेद्र साहू ने भी संबोधित किया साथ ही अन्य जनप्रतिनिधि ने भी सभा को सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में जिला सहकारी बैंक रायपुर के अध्यक्ष श्री पंकज शर्मा, जनपद अध्यक्ष आरंग श्री खिलेश देवांगन, नगरपालिका अध्यक्ष श्री चन्द्रशेखर चन्द्राकार सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि सहकारिता प्रतिनिधि सहकारी बैंकों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)